▪ आश्विन कृष्णा - 12 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 12 ▪ अंक - 67 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » रविवार » 29-09-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 खिलाड़ियों के लिए खेल सुविधाओं में सुधार पर निरंतर जोर दे रहे हैं प्रधानमंत्री मोदी

6 लेटिनेंट सुशील खजूरिया: साथी पर चली दुश्मन की गोली, भारत मां के सपूत ने सीने पर झेली

7 शमिता शेट्टी ने टूटी दीवारों के बीच खोजा अपना जुनून

फर्स्ट टेक

देश में एक लाख 'गौ ध्वज' स्थापित किए जाएंगे : शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद

अगरतला/भाषा। ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने शनिवार को कहा कि हिंदुओं के लिए पूज्य गायों की रक्षा के लिए देशभर में एक लाख 'गौ ध्वज' स्थापित किए जाएंगे। शंकराचार्य पश्चिमी त्रिपुरा के तुलाकोना में गौ ध्वज स्थापित करने के लिए त्रिपुरा में हैं। उत्तराखंड में ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि देश की आजादी से पहले भी गौहत्या पर प्रतिबंध लगाने की जोरदार मांग उठती रही है।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

ई वोटिंग

कर सके वोट हर व्यक्ति यहां,
कोई अब नया ब्लॉस्ट करो।
डिजिटल इंडिया ई लर्निंग से,
सिस्टम को थोड़ा फॉस्ट करो।
तोड़ो जकड़न एडवांस बनो,
जड़ताओं से एग्जॉस्ट करो।
बैलट ईवीएमों के सँग,
मोबाइल वोटिंग कॉस्ट करो।।

लेबनान के बेरूत में इजराइल द्वारा किए गए हवाई हमलों में

हिजबुल्ला प्रमुख हसन नसरल्ला की हुई मौत

हिजबुल्ला ने हसन नसरल्ला के मारे जाने की पुष्टि की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेरूत/एपी। लेबनान के हिजबुल्ला समूह ने अपने नेता और समूह के संस्थापकों में से एक हसन नसरल्ला के इजराइली हवाई हमले में मारे जाने की शनिवार को पुष्टि की। एक दिन पहले बेरूत में इजराइली हवाई हमलों में नसरल्ला की मौत हो गयी थी।

शनिवार को जारी एक बयान में बताया गया कि नसरल्ला ''शहीद होने वाले अपने साथियों में शामिल हो गए।'' बयान के मुताबिक, हिजबुल्ला ने ''दुश्मन के खिलाफ और फलस्तीन के समर्थन में युद्ध जारी रखने'' का संकल्प लिया।

नसरल्ला ने तीन दशकों से ज्यादा समय तक आतंकवादी समूह का नेतृत्व किया।

इजराइल की हिज्बुल्ला के साथ कई सप्ताह तक जारी जंग में नसरल्ला की मौत को आतंकवादी समूह के लिए सबसे बड़ा झटका माना जा रहा है।

सेना ने कहा कि जब हिजबुल्ला का नेतृत्व बेरूत के दक्षिण में दहियेह स्थित अपने मुख्यालय में बैठक कर रहा था तभी एक सटीक हवाई हमला किया गया।

इजराइली सेना ने कहा कि हिजबुल्ला के दक्षिणी मोर्चे के कमांडर अली कार्की और उसके अन्य कमांडर भी हमले में मार गिराए गए।

इजराइल के 'चीफ ऑफ स्टाफ' लेफ्टिनेंट जनरल हर्जी हलेवी ने शनिवार को कहा कि नसरल्ला का ''खात्मा अंत नहीं'' है। हलेवी का बयान दर्शाता है कि अभी और हमले किए जा सकते है।

हलेवी ने कहा कि हिजबुल्ला के नेतृत्व को निशाना बनाकर हमला किए जाने की लंबे समय से योजना बनाई जा रही थी।

इससे पहले, सेना ने बताया था कि उसने नसरल्ला को निशाना बनाकर शुक्रवार को बेरूत स्थित हिजबुल्ला के केंद्रीय मुख्यालय पर हमला किया, जहां एक के बाद एक भीषण विस्फोटों से कई ऊंची इमारतें ध्वस्त हो गईं।

ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड के जनरल की भी बेरूत में हुए हवाई हमले में मौत : रिपोर्ट

दुबई/एपी। ईरान ने शनिवार को घोषणा की कि अमेरिका द्वारा प्रतिबंधित उसके अर्धसैनिक बल रिवॉल्यूशनरी गार्ड के एक प्रमुख जनरल की भी बेरूत में हुए उस हवाई हमले में मौत हो गई, जिसमें हिज्बुल्ला नेता हसन नसरल्ला मारा गया। ईरानी मीडिया ने शनिवार को यह जानकारी दी। जनरल अब्बास निलफोरुशान की हत्या ईरान के लिए नवीनतम क्षति है, जबकि गाजा पट्टी में लगभग एक साल से चल रहा इजराइल-हमास युद्ध क्षेत्रीय संघर्ष बनने की कगार पर है। उनकी मौत से ईरान पर जवाबी कार्रवाई का दबाव और बढ़ गया है, हालांकि तेहरान ने हाल के महीनों में संकेत दिया है कि वह अपनी अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाने वाले प्रतिबंधों के संबंध में पश्चिम के साथ बातचीत करना चाहता है।

बाइडन ने हिज्बुल्ला प्रमुख की मौत को न्यायोचित ठहराया

वाशिंगटन/एपी। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने शनिवार को हिज्बुल्ला नेता हसन नसरल्ला की मौत को उसके चार दशक के आतंक के शासन से मुक्ति का एक तरीका बताया। बाइडन ने बताया कि नसरल्ला को निशाना उस संघर्ष के व्यापक परिप्रेक्ष्य में बनाया गया, जो सात अक्टूबर, 2023 को हमास द्वारा इजराइलियों के नरसंहार के साथ शुरू हुआ था।

भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में पाकिस्तान को दी चेतावनी

'पीओके खाली करे पाकिस्तान'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संयुक्त राष्ट्र/वार्ता। भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में पाकिस्तान की जम्मूकश्मीर पर की गयी टिप्पणियों का करारा जवाब देते हुए आज कहा कि पाकिस्तान को सीमापार आतंकवाद की नीति छोड़नी होगी और उसे अवैध रूप से कब्जाए गये भारतीय क्षेत्र को खाली करना होगा।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 79वें अधिवेशन को संबोधित करते हुए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ के शुक्रवार को सदन में दिये गये भाषण का जवाब देते हुए कहा, 'दूसरों की भूमि का लालच करके बरबाद होने वाले देश को बेनकाब किया जाना चाहिए और उसका प्रतिकार किया जाना चाहिए। हमने कल इस मंच पर इसके कुछ विचित्र दावे सुने। तो आइए मैं भारत की स्थिति बिल्कुल स्पष्ट कर दूं।'

डॉ जयशंकर ने कहा, 'पाकिस्तान की सीमा पार आतंकवाद नीति कभी सफल नहीं होगी। और इससे दंडमुक्ति की कोई उम्मीद नहीं की जा सकती। इसके विपरीत, कार्यों के परिणाम निश्चित रूप से होंगे। हमारे बीच हल होने वाला मुद्दा अब केवल पाकिस्तान द्वारा अवैध रूप से कब्जाए गए भारतीय क्षेत्र को खाली करना है और उसे निश्चित रूप से आतंकवाद के प्रति अपना पाकिस्तान के दीर्घकालिक लगाव का परित्याग करना होगा।'

पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शरीफ ने कल संयुक्त राष्ट्र अधिवेशन में कहा था कि फिलिस्तीन के लोगों की तरह जम्मू-कश्मीर के लोगों ने भी अपनी आजादी और अधिकारों के लिए लंबे समय तक संघर्ष करना पड़ा। शहबाज शरीफ ने भारत पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों को लागू करने के वादे से मुकरने का आरोप लगाया। उन्होंने जम्मू-कश्मीर से संविधान का अनुच्छेद 370 हटाने की भी आलोचना की।

उदयनिधि स्टालिन को बनाया गया तमिलनाडु का उपमुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि ने शनिवार को मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन की कैबिनेट फेरबदल की सिफारिशों को मंजूरी दे दी, जिस के तहत उनके बेटे उदयनिधि को उपमुख्यमंत्री का पद दिया गया तथा वी. सेंथिल बालाजी को मंत्रिपरिषद में फिर से शामिल किया गया है।

सेंथिल को धनशोधन मामले में उच्चतम न्यायालय से दो दिन पहले ही ज़मानत मिली थी। इसके अलावा डेयरी विकास विभाग संभाल रहे एम. थंगराज सहित तीन मंत्रियों को कैबिनेट से हटा दिया गया है। बालाजी के अलावा डॉ. गोवी चेझियान, आर राजेंद्रन और एस.एम नासर को भी मंत्रिमंडल में शामिल किया गया है।

ग्यारहवीं पुण्यतिथि

जन्म : 21 नवम्बर 1941

स्वर्गवास : 29 सितम्बर 2013

स्व. श्रीमती कमलादेवी छाजेड़

धर्मपत्नी स्व. श्री सुमेरमलजी छाजेड़ (S. M. Jain) (गढ़ सिवाना-राजस्थान)

कौन सी है वो चीज, जो यहां नहीं मिलती, सब कुछ मिल जाता है, लेकिन मां नहीं मिलती।
मां-बाप ऐसे हैं जिन्दगी में, दोस्तों फिर नहीं मिलते, उनके साये में जो खुशी मिलती है, वो फिर नहीं मिलती।

: श्रद्धावनत :

पुत्र एवं पुत्रवधु : राजेन्द्र जैन-अनिता , पौत्र : यश जैन, पौत्री-पौत्री जंवाई : श्रेया-प्रभुजी,
अशोककुमार, रमेशकुमार, जितेन्द्रकुमार, विपिनकुमार, साईंनाथ, महेश एवं समस्त छाजेड़ परिवार
पुत्री-दामाद : किरणदेवी-मिलापचन्दजी बंदामुथा, ललितादेवी-अशोककुमारजी कोठारी
दोहिते : रीतेश जैन, निखिल जैन, अक्षयकुमार, दोहित्री : नेहा

ARKAY Group of Companies, BANGALORE - BELLARY
(MINING / DRYPORTS / FINANCE / STEEL / HOSPITALITY / REAL ESTATE)

चेन्नई | रविवार | 29-09-2024 www.dakshinbharat.com /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सहज स्मृति योग

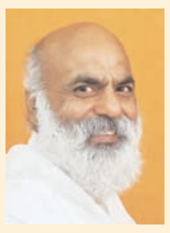

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, ज्ञान क्या पूरा का पूरा मिला या मिलता है किसी को कभी? मिलता हो और मिला हो तो उसकी पहचान क्या है?

उत्तर: ये भी खूब जिज्ञासा है कि सौ पचास शब्दों में हमें पूरा ज्ञान दिया जा पाए और हमारे द्वारा उसे पा भी लिया जाए।=फिर भी हम और आप मिलकर कोशिश करते हैं। क्या पता ऐसा हो भी जाए क्योंकि, सहयोग के भाव में अज्ञात संभावनाएँ खुलतीं देखीं गईं हैं और असंभव सी लगने वाली समस्याओं के समाधान मिलते देखे जाते हैं।

पूर्ण ज्ञान केवल आध्यात्मिक होता है। और, आध्यात्मिक ज्ञान जब मिलता है तब पूरा ही मिलता है जब तक पूरा नहीं मिलता तब तक मिल रहा 'ज्ञान', जिज्ञासु में 'ज्ञान' की संज्ञा का अधिकारी नहीं होता और, जिज्ञासु या मुमुक्षु, ज्ञानी या जीवन मुक्त या मोक्ष प्राप्त हुआ नहीं जान पाता स्वयं को।

पूरा ज्ञान मिलने पर ज्ञान दृष्टि में सबसे पहले स्वयं उसका अपना व्यक्तित्व ही भस्म /समाप्त होता है जिसे वह(ज्ञान)मिलता है। तो पहचान बताने के लिए वह (ज्ञानी) शेष नहीं रहता। सुनने में विरोधाभासी लगता है पर यही उसकी पहचान है।जब कोई व्यक्ति हमें ऐसा दिखे जिसमें हमें कोई व्यक्तित्व ही न दिखे तो उसके संग या निमित्त से हम पूर्ण ज्ञान प्राप्ति के माध्यम हो सकते हैं । यह सम्भव है। यथार्थ में केवल यही सम्भव है।

'मोक्ष का बीज विनय है'

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन बावीस संप्रदाय संघ के तत्वावधान में गणेश बाग में विनयमुनिजी खींचन ने तीन दिवसीय दशाश्रुतस्कंध सूत्र की प्रवचन माला के प्रथम दिवस पर विवेचना करते हुए कहा कि विनय युक्त श्रुतज्ञान से धर्म और ज्ञान दोनों की शोभा बढ़ती है। अनुकूल या प्रतिकूल प्रसंगों पर धर्म साथ रहेगा तो मानसिक सन्तुलन और व्यवहार संयम दोनों बराबर रहेंगें। मृदुता-कोमलता-विनम्रता और सहनशक्ति क्षमा-धैर्य इन दो के बिना जीवन निःसार है। मोक्ष का बीज विनय है और तना शारखा पत्ते फूल सभी सरलता सन्तोष निर्लोभता और क्षमा की तापना से कर्मक्षय होते हैं, जब फल लगता है पकता है उसे मोक्ष माना गया, ऐसा दशवैकालिक सूत्र की टीका में आया है।

संबोधन

जेएमएम विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन शनिवार को पश्चिमी सिंहभूम के कोल्हान में अपनी मैय्या सम्मान यात्रा के दौरान एक जनसभा को संबोधित करती हुई।

गैर-बासमती सफेद चावल को निर्यात शुल्क से छूट, न्यूनतम मूल्य 490 डॉलर प्रति टन तय

नई दिल्ली/भाषा

सरकार ने शनिवार को गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात पर लगे पूर्ण प्रतिबंध को हटा दिया। इसके साथ, इस पर 490 डॉलर प्रति टन का न्यूनतम मूल्य तय किया और इसे निर्यात शुल्क से भी छूट दे दी है।

घरेलू आपूर्ति को बढ़ावा देने के लिए गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात पर 20 जुलाई, 2023 से प्रतिबंध लगा दिया गया था।

विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने अधिसूचना में कहा, गैर-बासमती सफेद चावल (अर्ध-मिल्ड या पूर्ण रूप से मिल्ड चावल, चाहे पॉलिश किया हुआ हो या नहीं) के लिए निर्यात नीति को प्रतिबंधित से मुक्त में संशोधित किया गया है, जो तत्काल प्रभाव से और अगले आदेश तक लागू रहेगा। यह 490 अमेरिकी डॉलर प्रति टन के एमईपी (न्यूनतम निर्यात मूल्य) के अधीन है।

यह कदम ऐसे समय उठाया गया है कि जब देश में सरकारी गोदामों में चावल का पर्याप्त भंडार है और खुदरा कीमतें भी नियंत्रण में हैं।

सरकार ने गैर-बासमती सफेद चावल को निर्यात शुल्क से छूट दे दी है, जबकि उसना चावल पर शुल्क घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया है।

वित्त मंत्रालय के तहत आने वाले राजस्व विभाग ने शुक्रवार को जारी एक अधिसूचना में कहा कि उसने 'ब्राउन राइस' और धान पर निर्यात शुल्क भी घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया है। चावल की इन किस्मों के साथ-साथ गैर-बासमती सफेद चावल पर निर्यात शुल्क अब तक 20 प्रतिशत था।

अधिसूचना में कहा गया है कि नई दरें 27 सितंबर, 2024 से प्रभावी हो गई हैं।

इसी महीने सरकार ने निर्यात को बढ़ावा देने और किसानों की आय बढ़ाने के लिए बासमती चावल के न्यूनतम निर्यात मूल्य को समाप्त कर दिया था।

देश ने चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-जुलाई के दौरान 18.9 करोड़ डॉलर मूल्य का गैर-बासमती सफेद चावल निर्यात किया है। पिछले वित्त वर्ष (2023-24) में यह 85.25 करोड़ डॉलर था।

प्रतिबंध के बावजूद सरकार मालदीव, मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और अफ्रीकी देशों जैसे मित्र देशों को निर्यात की अनुमति दे रही थी।

भारत सरकार ने अन्य देशों को उनकी खाद्य सुरक्षा आवश्यकताओं को पूरा करने तथा उनकी सरकारों के अनुरोध के आधार पर निर्यात की अनुमति दी।

चावल की इस किस्म की भारत में व्यापक खपत है। वैश्विक बाजारों में भी इसकी मांग है। विशेष रूप से उन देशों में जहां बड़ी संख्या में भारतीय प्रवासी हैं।

राम मंदिर पर अपमानजनक बयान के लिए माफी मांगें राहुल गांधी : मोहन यादव

इंदौर/भाषा

अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के कथित बयान की निंदा करते हुए मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शनिवार को आरोप लगाया कि राहुल ने इस अपमानजनक कथन के जरिये हिंदुओं की आस्था को ठेस पहुंचाई है।

राहुल गांधी ने एक बयान में कथित तौर पर कहा कि राम मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में बॉलीवुड अभिनेता और बड़े उद्योगपति तो नजर आए, लेकिन वहां कोई गरीब, मजदूर, किसान और बढ़ई नहीं दिखाई दिया।

यादव ने इंदौर में संवाददाताओं से कहा, राहुल गांधी चुनाव में अपनी पार्टी का प्रचार करें और अपने मुद्दे जनता के सामने रखें, यह अलग बात है। लेकिन, उन्हें दुनिया भर के करोड़ों हिंदुओं का अपमान करने का कोई अधिकार नहीं है। राम मंदिर पर दिए बयान के लिए उन्हें माफी मांगनी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जन भावनाओं के आधार पर कई वर्षों के संघर्ष के बाद अयोध्या में राम मंदिर बनाया गया और प्राण-प्रतिष्ठा के बाद इसके गर्भगृह में रामलला का प्रवेश हुआ।

यादव ने कहा,इस आयोजन (राम मंदिर का प्राण-प्रतिष्ठा समारोह) का राहुल गांधी ने जिस तरह से उपहास उड़ाया है, यह उनकी बहुत हल्की हरकत है। मैं इसकी घोर निंदा करता हूं। उनके इस कृत्य से पूरा देश आक्रोश से भर उठा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वह उम्मीद करते हैं कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे इस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को समझाएंगे कि उन्हें राम मंदिर पर अपमानजनक बात नहीं बोलनी चाहिए। उन्होंने कांग्रेस पर हिंदुओं से अनुचित बर्ताव करने का आरोप लगाते हुए कहा कि जनता चुनावों में इसका हिसाब चुकता करती है और यही कारण है कि पिछले तीन लोकसभा चुनावों से कांग्रेस केंद्र की सत्ता से दूर है।

यादव ने कहा,वैसे यह सत्ता का नहीं, बल्कि जन भावनाओं का सवाल है। जनता के भावनात्मक मुद्दों और उनकी आस्था के केंद्र को चोट पहुंचाना किसी भी प्रकार से उचित नहीं माना जा सकता।

'दिल्ली से भेजे गए' 'छिपे हुए शैतान' से रहें सावधान, करें खारिज : फारुख अब्दुल्ला

श्रीनगर/भाषा

जम्मू एवं कश्मीर विधानसभा चुनाव के अंतिम चरण के मतदान से पहले नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) अध्यक्ष फारुख अब्दुल्ला ने मतदाताओं से अपने सम्मान और गरिमा को प्राथमिकता देने एवं उन उम्मीदवारों को खारिज करने की अपील की, जिन्हें उन्होंने 'दिल्ली द्वारा भेजा गया' 'छिपा हुआ शैतान' बताया।

जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव का तीसरा और आखिरी चरण एक अक्टूबर को है। इस चरण में जम्मू क्षेत्र की 24 और कश्मीर घाटी की 16 सीटों के लिए मतदान होगा। इस चुनाव में नेशनल कांफ्रेंस- कांग्रेस गठबंधन की संभावनाओं की चर्चा करते हुए अब्दुल्ला ने विश्वास व्यक्त किया कि यह 90 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत हासिल करेगा । उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भाजपा इस केंद्रशासित प्रदेश में सत्ता नहीं हासिल करेगी।

अंतिम चरण के चुनाव के वास्ते जोर-शोर से चल रहे चुनाव प्रचार अभियान के रविवार को समाप्त होने से पहले नेकां अध्यक्ष ने लोगों से वोट डालने के वक्त सोच समझकर निर्णय लेने की भावुक अपील की। उन्होंने बेहतर भविष्य के लिए मतदान के महत्व पर बल दिया तथा बेहतर रोजगार अवसरों, प्रगति, सम्मान और उन्नत जीवन स्तर की आवश्यकता पर जोर डाला।

जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने कहा, '' सावधानीपूर्वक सोचिए।'' उन्होंने मतदाताओं से 'दिल्ली से भेजे गये' उन लोगों से सावधान रहने का आह्वान किया जिनके दिल में शायद उनका हित न हो। उन्होंने चुनाव के दौरान सतर्क रहने के महत्व पर बल देते हुए कहा, '' वे छिपे हुए शैतान की तरह हैं।''

जम्मू-कश्मीर के कठुआ में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़

जम्मू/भाषा

जम्मू-कश्मीर में कठुआ जिले के एक सुदूर गांव में घेराबंदी और तलाशी अभियान के दौरान शनिवार की शाम सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ हुई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आतंकवादियों के सफाये के लिए बिलावर क्षेत्र के कोग-मंडली गांव में अतिरिक्त बल भेजा गया है।

एक पुलिस अधिकारी ने कहा, ''आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में विशेष खुफिया जानकारी के आधार पर सुरक्षा बलों ने कोग गांव में एक संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया था। आतंकवादियों से आमना-सामना होने के बाद दोनों ओर से कुछ राउंड गोलियां चलाई गईं।''

अधिकारी ने बताया कि अतिरिक्त बल भेजकर इलाके की कड़ी घेराबंदी कर दी गई है। उन्होंने बताया कि दोनों ओर से गोलीबारी शाम लगभग साढ़े पांच बजे शुरू हुई, जब पुलिस, सेना और केन्द्रीय रिज़र्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) का संयुक्त दल वन क्षेत्र में स्थित गांव की ओर बढ़ा। उन्होंने बताया कि अंतिम सूचना मिलने तक तलाशी अभियान जारी था।

कांग्रेस में हर कोई हरियाणा में मुख्यमंत्री बनना चाह रहा; 'बापू और बेटा' भी दावेदारः मोदी

हिसार(हरियाणा)/भाषा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस में गुटबाजी के चलते इसके लिए स्थिरता दूर की कौड़ी है और पार्टी में हर कोई हरियाणा में मुख्यमंत्री बनने के लिए ''मारामारी'' कर रहा है तथा ''बापू'' (भूपेंद्र सिंह हुड्डा) और ''बेटा'' (दीपेंद्र हुड्डा) भी दावेदार है। उन्होंने यहां एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन दिनों को याद किया, जब हरियाणा में पार्टी संगठन के लिए काम किया था और कहा, ''यह मेरा सौभाग्य है कि हरियाणा ने मुझे बहुत कुछ दिया, बहुत कुछ सिखाया।''

मोदी ने कहा कि हरियाणा की माताओं-बहनों ने नारा दिया है ''म्हारा हरियाणा-नॉन-स्टॉप हरियाणा'' और हरियाणा का विकास बिना रुके जारी रहना चाहिए, इसलिए लोगों ने भाजपा को तीसरी बार मौका देने का मन बना लिया है। उन्होंने कहा कि हर जगह से एक ही आवाज सुनाई दे रही है -- ''भरोसा दिल से, भाजपा फिर से।''

हरियाणा में 5 अक्टूबर को मतदान होना है। मोदी ने कहा कि मतदान का दिन नजदीक आने के साथ कांग्रेस नेताओं ने यह कहना शुरू कर दिया है कि हरियाणा में भी उन्हें मध्यप्रदेश जैसी स्थिति का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश और राजस्थान के चुनावों में कांग्रेस ने झूठ का सहारा लिया, लेकिन उनके झूठ का गुब्बारा फूट गया और हरियाणा में भी यही होने जा रहा है।

मोदी ने कहा कि कांग्रेस का यह हश्र इसलिए हो रहा है कि वह देश की धोखेबाज और बेईमान पार्टी है। उन्होंने कहा, ''पड़ोस में हिमाचल प्रदेश में देखिए, उन्होंने क्या किया है।'' उन्होंने कहा, ''चुनाव के दौरान उन्होंने क्या-क्या झूठ बोला, आप कल्पना भी नहीं कर सकते और सत्ता में आने के बाद वे अपने किए वादों से भाग रहे हैं।'' मोदी ने कहा कि लोग अब कांग्रेस से कह रहे हैं ''क्या हुआ तेरा वादा।'' कांग्रेस लोगों से पूछ रही है ''तुम कौन।'' उन्होंने गांधी परिवार पर हमला बोलते हुए कहा, ''दिल्ली के शाही परिवार ने हिमाचल की जनता को अपने झूठ में फंसाया। आज हिमाचल के कर्मचारियों को वेतन और डीए (महंगाई भत्ता) देने के लिए उनके पास बजट नहीं है।'' उन्होंने कहा कि जहां भी कांग्रेस है वहां स्थिरता नहीं आ सकती।

हरियाणा में कांग्रेस में गुटबाजी पर निशाना साधते हुए मोदी ने कहा, ''जो पार्टी अपने नेताओं के बीच एकता नहीं ला सकती, वह राज्य में स्थिरता कैसे लाएगी।'' उन्होंने कहा, ''आप देख रहे हैं कि यहां (हरियाणा में) कांग्रेस में लोग मुख्यमंत्री बनने के लिए आपस में ही मारामारी कर रहे हैं।'' मोदी ने कहा, ''बापू (भूपेंद्र हुड्डा) भी दावेदार है और बेटा (दीपेंद्र) भी दावेदार है। और दोनों मिलकर बाकियों को निपटाने में लगे हैं। और यह सब देखकर हरियाणा के जागरूक नागरिक कांग्रेस को निपटाने में लग पड़े हैं।'' उन्होंने यह भी कहा कि कुछ लोग ऐसे हैं जिन्होंने तन-मन-धन से दिल्ली के शाही परिवार की सेवा की और अब वे ही पूछ रहे हैं कि उनसे क्या गलती हुई।

मोदी ने कहा, ''यहां कांग्रेस का हर गुट हर सीट पर एक दूसरे को पटखनी देने में लगा हुआ है। इस गुटबाजी के बीच कांग्रेस में दलितों और पिछड़ों के लिए दरवाजे बंद है। कांग्रेस जानती है कि दलित उसे वोट नहीं देता, इसलिए वह पूरे दलित समाज से नफरत करती है।'' उन्होंने कहा, ''आप खुद देखिये कांग्रेस के राज में गोहाना में दलितों पर अत्याचार हुआ, मिर्चपुर कांड हुआ, दलित बेटियों के साथ अत्याचार और अन्याय हुआ, लेकिन कांग्रेस चुप रही।''

कांग्रेस का समर्पित सिपाही, पार्टी लाइन के खिलाफ नहीं जाऊंगा : विक्रमादित्य

नई दिल्ली/भाषा। हिमाचल प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने शनिवार को कहा कि उन्होंने विचारधारा से संबंधित कांग्रेस नेतृत्व की चिंताओं को स्वीकारा है और यह विश्वास दिलाया है कि वह पार्टी के समर्पित सिपाही हैं तथा कभी भी पार्टी लाइन से अलग बात नहीं करेंगे।

सिंह की रेहड़ी-पटरी वालों के मुद्दे पर हालिया टिप्पणी से विवाद खड़ा हो गया था। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने शुक्रवार को सिंह के साथ मुलाकात में हिदायत दी थी कि वह पार्टी की नीतियों और विचारधारा के खिलाफ नहीं जा सकते।

सिंह ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में विधानसभा अध्यक्ष द्वारा गठित बहुदलीय समिति तीन अक्टूबर को रेहड़ी-पटरी से जुड़े सभी मुद्दों पर चर्चा करेगी। उन्होंने 'पीटीआई वीडियो' को दिए साक्षात्कार में कहा कि जमीन पर कोई विवाद नहीं था और यह सब मीडिया द्वारा पैदा किया गया मुद्दा है और इसे बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया था।

सिंह ने कहा, ''मैंने वेणुगोपाल जी को वास्तविक स्थिति से अवगत कराया और विचारधारा के बारे में उनकी चिंताओं को स्वीकारा और उन्हें विश्वास दिलाया कि हम पार्टी के समर्पित और वफादार सैनिक हैं और ऐसा कुछ भी नहीं करेंगे जो पार्टी लाइन के खिलाफ हो।''

सिंह ने कहा, '' साथ ही, मैंने उन्हें यह भी बताया कि पिछले डेढ़ महीने से हिमाचल में मस्जिद मुद्दा और अन्य विरोध प्रदर्शन चल रहे हैं... साथ ही उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के आलोक में भी शहरी आजीविका पर 2016 का कानून बना हुआ है, उसके क्रियान्वय की बात है। इसका क्रियान्वयन चरणबद्ध तरीके से किया जाना है।''

मंत्री ने बताया कि उन्होंने वेणुगोपाल से कहा कि राज्य सरकार को आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ अच्छा वातावरण भी बनाए रखना होगा।

उनका कहना था, ''कोई भी व्यक्ति कहीं से भी राज्य में आ सकता है। हिमाचल भारत का एक अद्भुत हिस्सा है, कोई भी हिमाचली किसी भी अन्य राज्य में जा सकता है और इसी तरह कोई भी वहां आ सकता है। लेकिन रेहड़ी-पटरी पर जो कारोबार हो रहा है, उसे लेकर नियमों के अनुसार पहचान और सत्यापन किया जाना है। इसके लिए उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय के निर्देश हैं।''

अनुच्छेद 370 को केवल भारत सरकार ही बहाल कर सकती हैः आजाद

बानी/जम्मू/भाषा। डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) के अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद ने जम्मू-कश्मीर का ''राज्य का दर्जा बहाल करने'' को लेकर नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस पर कटाक्ष किया और कहा कि अनुच्छेद 370 को केवल भारत सरकार द्वारा बहाल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पहले ही राज्य का दर्जा बहाल करने की बात कह चुके हैं। आजाद ने कहा कि लोग उत्साहित हैं क्योंकि वे दस साल बाद चुनाव में हिस्सा ले रहे हैं।

उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, ''न तो नेशनल कॉन्फ्रेंस और न ही पीडीपी ने अनुच्छेद 370 और राज्य के दर्जे पर संसद में बात की। मैंने इस पर बात की। प्रधानमंत्री और गृह मंत्री ने कहा था कि वे राज्य का दर्जा बहाल करेंगे।'' आजाद ने राज्य का दर्जा और अनुच्छेद 370 को बहाल करने की नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस की मांगों के बारे में एक सवाल के जवाब में कहा, 'कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बुधवार को भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर विधानसभा चुनाव के बाद जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल नहीं किया गया तो विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' संसद के अंदर और बाहर सड़क पर उतरेगा तथा पूरी ताकत का इस्तेमाल करेगा। कठुआ जिले की बानी विधानसभा सीट पर अपनी पार्टी के उम्मीदवार के लिए प्रचार कर रहे आजाद ने कहा कि लोगों में चुनाव को लेकर जबरदस्त उत्साह है। उन्होंने कहा, ''लोगों में भारी उत्साह है क्योंकि वे दस साल बाद इन चुनावों में भाग ले रहे हैं।' आजाद ने बानी में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित किया, जहां उन्होंने लोगों से एकता की अपील की और उनसे विकास एवं प्रगति के लिए मतदान करने का आग्रह किया। उन्होंने लोगों से झूठे वादों और नारों के बहकावे में न आने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, ''डीपीएपी के लिए मतदान करके, हमारा मानना है कि बानी के लोग समृद्ध और समावेशी भविष्य का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं।

प्रदर्शन

कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं ने केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण के इस्तीफे की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन किया।

तमिलनाडु में टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स की फैक्टरी में आग लगी, कोई हताहत नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के होसुर में टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड की इलेक्ट्रॉनिक उपकरण फैक्टरी के रासायनिक पदार्थों के गोदाम मे शनिवार तड़के आग लग गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आग लगने की इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। होसुर और आसपास के जिलों से दमकल की सात गाड़ियां घटनास्थल पर भेजी गई हैं। घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया।

होसुर के वरिष्ठ अग्निशमन एवं बचाव सेवा अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, आग लगने की यह घटना सुबह करीब छह बजे परिसर में स्थित एक रसायन गोदाम में हुई। दमकल की सात गाड़ियों को घटनास्थल पर भेजा गया। घटना में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं मिली है। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड ने कहा कि कर्मचारी सुरक्षित हैं और अधिकारी घटना का कारण पता लगाने में जुटे हैं। कंपनी ने एक बयान में कहा, तमिलनाडु के होसुर में स्थित हमारे संयंत्र में आग लगने की दुर्भाग्यपूर्ण घटना हुई है। संयंत्र में आपातकालीन स्थिति से निपटने संबंधी हमारे प्रोटोकॉल ने हमारे सभी कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित की। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है और हम अपने कर्मचारियों व अन्य हितधारकों के हितों की रक्षा के लिए आवश्यक कार्रवाई करेंगे।

तमिलनाडु पुलिस ने केरल की एटीएम लूटपाट घटना के संदिग्धों के खिलाफ दर्ज किया मामला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नामक्कल (तमिलनाडु)/भाषा। तमिलनाडु के नामक्कल जिले में वेप्पाडाई पुलिस ने केरल के त्रिशूर जिले में एटीएम से हुई खुलेआम लूटपाट के सिलसिले में छह संदिग्धों के खिलाफ हत्या के प्रयास, आपराधिक साजिश समेत विभिन्न आरोपों को लेकर शनिवार को मामला दर्ज किया और उनके पास से 67 लाख रुपये बरामद किये। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि उनमें हरेक की केरल में एटीएम से लूटपाट में भूमिका है और वे यह अपराध करने के लिए त्रिशूर जाने से पहले चेन्नई में इकट्ठा हुए थे। उन्होंने बताया कि केरल पुलिस से सूचना मिलने के बाद नामक्कल पुलिस के तालमेल से शुक्रवार को जिले के कुमारपलयम में नाटकीय रूप से पीछा कर इस गिरोह को पकड़ा गया जिसने तीन एटीएम से लूटकर करीब 70 लाख रुपये बनाये थे।

पीछा करने की यह कार्रवाई एक संदिग्ध के मारे जाने तथा छह अन्य को हिरासत में लेने के साथ समाप्त हुई।

नामक्कल जिले के पुलिस अधीक्षक एस राजेश कन्नन ने कहा, ''वे हरियाणा से अलग-अलग टीम के तौर पर चेन्नई पहुंचे थे। दो दिल्ली से विमान से चेन्नई आये थे जबकि तीन कार से पहुंचे थे। दो अन्य ने कंटेनर ट्रक से सफर तय की थी। वे सभी चेन्नई में एकत्र हुए थे और फिर वे एटीएम लूटने के लिए सड़क से त्रिशूर गये।''

कन्नन ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''हमने 67लाख रुपये नकद बरामद किया है और उनके वाहन एवं दरांती जब्त की है।'' उन्होंने बताया कि 'गुगल मैप' पर एक खास बैंक शाखा के विभिन्न एटीएम का पता लगाने के बाद वे लूटपाट के लिए राजमार्ग के संभावित एटीएम की पहचान करते थे। उन्होंने कहा कि उनमें से कुछ के खिलाफ आपराधिक मामले लंबित हैं तथा दो महाराष्ट्र में सलाखों के पीछे रह चुके हैं।

वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता और भारतीय नागरिक सुरक्षा की सात धाराओं के तहत मामले दर्ज किए थे, जिनमें आपराधिक साजिश, जनता को खतरा पहुंचाना, सरकारी कर्मचारी को कर्तव्य निर्वहन से रोकना, हत्या का प्रयास शामिल हैं। उनके अनुसार तमिलनाडु संपत्ति क्षति अधिनियम भी लगाया गया है।

एक अन्य पुलिस अधिकारी ने कहा, '' प्रारंभिक पूछताछ से पता चला है कि यह गिरोह कई एटीएम में अंतर-राज्यीय लूटपाट में शामिल रहा है और हरियाणा पुलिस को उनकी गिरफ्तारी एवं मुठभेड़ के बारे में सूचित कर दिया गया है क्योंकि वे सभी उसी राज्य के रहने वाले हैं।''

ताज वेस्ट एंड होटल को बम से उड़ाने की धमकी निकली फर्जी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु । कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु के प्रतिष्ठित ताज वेस्ट एंड होटल को बम से उड़ाने की धमकी मिली। यह धमकी ईमेल के जरिए दी गई, पुलिस ने जांच में इसे फर्जी करार दिया। जानकारी के अनुसार, शनिवार को अज्ञात अपराधियों ने एक ईमेल के माध्यम से होटल में बम होने की धमकी दी। यह होटल प्रमुख राजनेताओं और क्रिकेटरों की मेहमान नवाजी के लिए जाना जाता है। धमकी मिलने के बाद, स्थानीय पुलिस और बम निरोधक दस्ते ने होटल पहुंचकर जांच शुरू कर दी।

प्रारंभिक जांच के दौरान, पुलिस ने होटल की पूरी परिसर की जांच की और पाया कि यह धमकी फर्जी थी। डीसीपी सेंट्रल ने अपने बयान में कहा कि हमें आज सुबह ताज वेस्ट एंड होटल के लिए एक धमकी भरा ईमेल प्राप्त हुआ। हमारी बीडीडीएस और एएससी टीम ने परिसर की जांच की और इसे फर्जी पाया। डीसीपी ने आगे कहा कि इस मामले में हम शिकायत दर्ज करेंगे और गहन जांच करेंगे।

धमकी भरे ईमेल के बाद होटल की सुरक्षा को बढ़ा दिया गया है। पुलिस इस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। होटल में ठहरे मेहमानों ने इस घटना को लेकर चिंता व्यक्त की। हालांकि, पुलिस ने सभी को यह आश्वस्त किया है कि स्थिति नियंत्रण में है। पिछले कुछ महीनों से बम धमकी से जुड़े ईमेल्स का चलन तेजी से बढ़ा है, जिससे कई महत्वपूर्ण संस्थानों और स्थानों में हड़कंप मच गया है। इन धमकियों का निशाना अक्सर स्कूल, अस्पताल, सरकारी दफ्तर और हवाई अड्डे बनते हैं। हालांकि, इनमें से तमाम धमकियां फर्जी साबित हुई हैं।

लांच

श्रम और रोजगार राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे शनिवार को बेंगलूरु में 'आठ सप्ताह में निर्यात शुरू करें' के एसएमई फोरम लॉन्च में शिरकत करती हुई।

स्टालिन ने तमिलनाडु में टाटा मोटर्स के 9,000 करोड़ रुपये के विनिर्माण संयंत्र की आधारशिला रखी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रानीपेट। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने शनिवार को यहां प्रमुख वाहन विनिर्माता कंपनी टाटा मोटर्स की एक नई विनिर्माण सुविधा की आधारशिला रखी। इस संयंत्र पर 9,000 करोड़ रुपये का निवेश होगा।

इस परियोजना का भूमिपूजन समारोह चेन्नई से लगभग 115 किलोमीटर दूर इस जिले के पनपक्कम में आयोजित किया गया। इस सुविधा से 5,000 नए रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री के अलावा, द्रमुक के वरिष्ठ मंत्री दुरई मुरुगन, टीआरबी राजा, मुख्य सचिव एन मुरुगनंदम और टाटा संस लिमिटेड के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने भूमिपूजन समारोह में भाग लिया।

इस मौके पर स्टालिन ने टाटा मोटर्स की तमिलनाडु में विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने की योजना पर प्रसन्नता जताई। स्टालिन ने कहा, तमिलनाडु न केवल भारत में काम करने वाली बड़ी कंपनियों के लिए बल्कि बहुराष्ट्रीय निगमों के लिए भी पहला निवेश गंतव्य है। हम इस कार्यक्रम में चंद्रशेखरन की उपस्थिति से प्रसन्न हैं। नमक्कल जिले से आने वाले और विश्वस्तर पर प्रसिद्ध कंपनी का नेतृत्व करने वाले चंद्रशेखरन राज्य के लिए गौरव की बात हैं। टाटा मोटर्स ने संयंत्र स्थापित करने के लिए मार्च में सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे।

तमिलनाडु के विरुदुनगर जिले में पटाखा कारखाने में विस्फोट

विरुदुनगर। तमिलनाडु के विरुदुनगर जिले के सात्तूर में पटाखे बनाने वाले एक कारखाने में अचानक विस्फोट हो गया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि कारखाने में विस्फोट होने से वह गोदाम क्षतिग्रस्त हो गया जहां पटाखे रखे हुए थे। उसने बताया कि सात्तूर और शिवकाशी से दमकल की गाड़ियों को घटनास्थल पर भेजा गया है। पुलिस ने बताया कि कारखाने में विस्फोट होने से आस-पास स्थित कुछ घर क्षतिग्रस्त हो गए। उसने बताया कि आग पर काबू पाने के बाद ही नुकसान का आकलन किया जा सकेगा।

उदयनिधि को उपमुख्यमंत्री बनाया गया

सेंथिल बालाजी की तमिलनाडु कैबिनेट में वापसी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि ने शनिवार को मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन की कैबिनेट फेरबदल की सिफारिशों को मंजूरी दे दी, जिस के तहत उनके बेटे उदयनिधि को उपमुख्यमंत्री का पद दिया गया तथा वी. सेंथिल बालाजी को मंत्रिपरिषद में फिर से शामिल किया गया है।

सेंथिल को धनशोधन मामले में उच्चतम न्यायालय से दो दिन पहले ही ज़मानत मिली थी।

इसके अलावा डेयरी विकास विभाग संभाल रहे एम. थंगराज सहित तीन मंत्रियों को कैबिनेट से हटा दिया गया है।

बालाजी के अलावा डॉ. गोवी चेझियान, आर राजेंद्रन और एस.एम नासर को भी मंत्रिमंडल में शामिल किया गया है। बालाजी ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा कथित नौकरी घोटाले के सिलसिले में गिरफ्तार किए जाने के कई महीने बाद इस साल फरवरी में इस्तीफा दे दिया था।

राजभवन की एक विज्ञप्ति के अनुसार, मुख्यमंत्री स्टालिन ने तमिलनाडु के राज्यपाल से सिफारिश की कि युवा कल्याण और खेल विकास मंत्री थिरु उदयनिधि स्टालिन को उनके मौजूदा विभागों के अलावा योजना और विकास विभाग आवंटित किया जाए और उन्हें उपमुख्यमंत्री के रूप में नामित किया जाए।

इसमें कहा गया है कि राज्यपाल ने सिफारिशों को मंजूरी दे दी है। मनोनीत मंत्रियों का शपथ ग्रहण समारोह रविवार को राजभवन में अपराह्न साढ़े तीन बजे होगा।

लगातार शतरंज प्रतियोगिताओं में भाग लेने से शारीरिक और मानसिक तौर पर चुनौतीपूर्ण : प्रज्ञानानंदा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली/भाषा। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने कहा कि पूरे साल शतरंज खेलने से एक खिलाड़ी के शारीरिक और मानसिक पहलुओं पर भारी असर पड़ सकता है और वह इससे निपटने के लिए टूर्नामेंटों से पहले अपने दिमाग को खेल से दूर रखने की सोचते है।

भारत को पहली बार शतरंज ओलंपियाड में स्वर्ण पदक दिलाने के बाद हाल ही में बुडापेस्ट से लौटे प्रज्ञानानंदा ने कहा कि यह लगातार शतरंज खेलने का ही नतीजा है कि वह कभी-कभी वह शतरंज की बिसात की ओर देखना भी नहीं चाहते हैं। चेन्नई के इस 19 साल के खिलाड़ी ने कहा, ''निश्चित रूप से इससे मानसिक और शारीरिक प्रभाव पड़ता है। लेकिन हम इसके आदी हैं... हमें इसकी आदत डालने की जरूरत है क्योंकि पूरे साल टूर्नामेंट होते रहते हैं।'' उन्होंने 'पीटीआई' से कहा, '' मुझे पिछले साल इस तरह की चुनौती का सामना करना पड़ा था। इस लिए मुझे उसकी आदत हो गयी है।''

प्रज्ञानानंदा अब लंदन में होने वाले ग्लोबल शतरंज लीग (जीसीएल) में प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार हो रहे हैं। इस टूर्नामेंट टेक महिंद्रा और अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) का संयुक्त उद्यम है।

प्रज्ञानानंदा इस लीग में मैग्नस कार्लसन के नेतृत्व वाली अल्पाइन

एसजी पाइपर्स का प्रतिनिधित्व करेंगे। छह टीमों की इस लीग का आयोजन तीन अक्टूबर से शुरू होगा। उन्होंने कहा, ''इस तरह की थकान से निपटने के लिए मैं खुद को कुछ समय के लिए शतरंज से दूर कर लेता हूं। टूर्नामेंटों या प्रतियोगिताओं के दौरान भी अगर थकान हावी होने लगे तो मैं ब्रेक के दौरान खुद को शतरंज बोर्ड से अलग कर लेता हूं।'' प्रज्ञानानंदा ने डी गुकेश, अर्जुन एरिगैसी, विदित गुजराती और पी हरिकृष्णा के साथ मिलकर 'ओपन' श्रेणी में शतरंज ओलंपियाड का स्वर्ण पदक जीता। कम उम्र में ही शतरंज के दिग्गज खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो चुके प्रज्ञानानंदा ने कहा कि वह मानसिक थकान के कारण ओलंपियाड में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाए थे।

प्रज्ञानानंदा ने 10 मैचों में तीन जीत, छह ड्रॉ और एक हार के साथ छह अंक हासिल किये थे। उन्होंने कहा, '' ओलंपियाड में उम्मीदों के मुताबिक व्यक्तिगत प्रदर्शन नहीं होने का एक कारण मानसिक थकान हो सकता है क्योंकि मैं बहुत ज्यादा मैच खेल रहा था। आप जानते हैं कि कभी-कभी ऐसा होता है कि आपने अपना सर्वश्रेष्ठ नहीं खेला और आपको उस तथ्य को स्वीकार कर अगले मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ देना होगा।'' उन्होंने कहा, '' आपको बस यह जानना होगा कि क्या गलत हुआ, ऐसा क्यों हुआ। इसलिए अब मैं अपने अगले कार्यक्रम (जीसीएल) पर ध्यान केंद्रित कर रहा हूं।''

प्रज्ञानानंदा ने कहा, ''ओलंपियाड हमारे लिए बहुत अच्छा था। हम टीम स्वर्ण जीतना चाहते थे और हमने ऐसा किया, इसलिए यह मेरे लिए अच्छा है।'' उन्होंने कहा कि टूर्नामेंटों के लगातार आयोजन ने उन्हें वास्तव में जीसीएल के लिए तैयारी करने का समय नहीं दिया है। वह लंदन पहुंचने के बाद इसकी तैयारी करेंगे।

क्या राहुल आरोपी नंबर एक सिद्दरामय्या के साथ हैं? : भाजपा ने पूछा

नई दिल्ली/बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शनिवार को कहा कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के खिलाफ भ्रष्टाचार समेत कई आपराधिक आरोपों पर एक मामला दर्ज होने से कांग्रेस का पर्दाफाश हो गया है। उसने कहा कि प्राथमिकी अदालत के एक आदेश के बाद दर्ज की गयी और केंद्रीय एजेंसियों की इसमें कोई भूमिका नहीं है। भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने पत्रकारों से कहा कि यह विरला मामला है जब किसी मौजूदा मुख्यमंत्री को भ्रष्टाचार के किसी मामले में आरोपी बनाया गया है और इसने कांग्रेस के ''भ्रष्ट चेहरे'' को बेनकाब कर दिया है।

उन्होंने कहा कि सिद्दरामय्या मामले में आरोपी नंबर एक हैं और उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए पूछा कि क्या वह भ्रष्टाचार में आरोपी मुख्यमंत्री के साथ हैं। कर्नाटक लोकायुक्त ने अदालत के आदेश के बाद मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) भूमि आवंटन मामले में सिद्दरामय्या तथा अन्य के खिलाफ शुक्रवार को प्राथमिकी दर्ज की। बेंगलुरु की एक विशेष अदालत ने बुधवार को लोकायुक्त पुलिस को मामले में सिद्दरामय्या के खिलाफ जांच का आदेश दिया, जिससे उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का मार्ग प्रशस्त हुआ।

कांग्रेस नेतृत्व भाजपा पर राजनीतिक कारणों से मुख्यमंत्री को निशाना बनाने का आरोप लगा रहा है, वहीं त्रिवेदी ने कहा कि केंद्रीय जांच एजेंसियों की इस प्राथमिकी में कोई भूमिका नही है।

पदयात्रा

कर्नाटक के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडूराव, विधायक गोपालैया और स्वयंसेवकों के साथ शनिवार को बेंगलूरु में विश्व हृदय दिवस की पूर्व संध्या पर जागरुकता पदयात्रा में भाग लेते हुए।

शिक्षकों को पढ़ाने के साथ-साथ बच्चों को संस्कार भी देने होंगे : देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शनिवार को कहा कि शिक्षकों की यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है कि वे युवा पीढ़ी को भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करें। देवनानी ने यहां राजापार्क स्थित दशहरा मैदान में आयोजित हिन्दू आध्यात्मिक एवं सेवा मेलों में शिक्षक वंदन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी में भारत की सांस्कृतिक परम्पराओं के अनुरूप मानवता, सहिष्णुता, धैर्य जैसे गुणों के साथ भारतीय संस्कारों के समावेश के लिए शिक्षकों को गुरु की भूमिका निभानी होगी। देवनानी ने कहा कि जिसका स्तर मां जैसा हो वह 'मास्टर' कहलाता है, शिक्षकों को बच्चों को पढ़ाने के साथ–साथ संस्कार भी देने होंगे। उन्होंने कहा कि समग्र चेतना का जागरण आज की आवश्यकता है और भारतीय संस्कृति को कोई समाप्त नहीं कर सकता है, इसलिए शिक्षकों को भारतीय संस्कृति से युवाओं को जोड़े रखने के लिए सतत प्रयास करने होंगे। राज्य विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि राष्ट्र सर्वोपरि है और यह भावना बचपन से ही युवा पीढ़ी में पैदा करनी होगी, इस भावना को युवाओं में पैदा करने वाला ही सच्चा शिक्षक होता है।

उन्होंने कहा, हमारे आदर्श, हमारे महापुरुष और हमारी महान संस्कृति है। राष्ट्र के भविष्य को सशक्त बनाने के लिए मानवीय मूल्यों को युवा पीढ़ी के आचरण में लाना होगा। फिर से उठ खड़ा होने वाला भारत भी राष्ट्र के संस्कारों से ही बनेगा। इस अवसर पर मुनि समत्व सागर ने शिक्षा में नैतिक मूल्यों के समावेश की आवश्यकता बताते हुए कहा कि शिक्षकों को स्वयं को बेहतर व्यवहार का प्रदर्शन करना होगा ताकि उन्हें बच्चों से सम्मान मिल सके।

देवनानी ने कहा कि जिसका स्तर मां जैसा हो वह मास्टर कहलाता है। शिक्षकों को बच्चों को पढाने के साथ–साथ संस्कार भी देने होंगे। उन्होंने कहा कि समग्र चेतना का जागरण आज की आवश्यकता है। भारतीय संस्कृति को कोई समाप्त नही कर सकता है। शिक्षकों को भारतीय संस्कृति से युवाओं को जोडे रखने के लिए सतत प्रयास करने होंगे।

देवनानी ने कहा कि राष्ट्र सर्वोपरि है। यह भावना बचपन से ही युवा पीढी में पैदा करनी होगी। इस भावना को युवाओं में पैदा करने वाला ही सच्चाव शिक्षक होता है। उन्होंने कहा कि हमारे आदर्श, हमारे महापुरूष और हमारी महान संस्कृति है। राष्ट्र के भविष्य को सशक्त करने के लिए मानवीय मूल्यों को आचरण में लाना होगा। देवनानी ने कहा कि रिसर्जेन्ट भारत भी राष्ट्र के संस्कारों से ही बनेगा। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि नारी का सम्मान भारत में अनादिकाल से है।

पर्यावरण संरक्षण हमारी संस्कृति है। भारतीय संस्कृति के भाव में वैज्ञानिक दृष्टिकोण है। देवनानी ने बच्चों के जीवन को अच्छे संस्कारों से गढने के लिए शिक्षकों का आव्हान किया। इन्टरनेट के युग में भी भारतीय संस्कारों की आवश्यकता बताई।

मुनि समत्व सागर ने शिक्षा में नैतिक मूल्यों के समावेश की आवश्यकता बताते हुए कहा कि शिक्षकों को स्वयं को ऐसे व्यवहार का प्रदर्शन करना होगा ताकि उन्हें बच्चों से सम्मान मिल सके।

समारोह में राजस्थान विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. अल्पना कटेजा भी मौजूद थी। स्वागत भाषण फाउण्डेशन के गुरूवन्त सिंह कोठारी ने किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने शिक्षकों का वंदन किया। ओम गुरूभ्यों नम: से पाण्डाल गुंजायमान हो गया। इस दौरान बच्चों को माता–पिता, शिक्षकों, नारी के सम्मान, पर्यावरण संरक्षण और राष्ट्र के प्रति नैतिक जिम्मेदारियों को निभाने का संकल्प दिलाया गया। कार्यक्रम में विभिन्न शिक्षण संस्थाओं के शिक्षक और विद्यार्थी बडी संख्या में मौजूद थे।

राहुल की छवि खराब कर रही है भाजपा : डोटासरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर विदेश में देश विरोधियों से मिलने एवं हरियाणा में पहले नौकरी बिकने के बयान पर पलटवार करते हुए कहा है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कांग्रेस और राहुल गांधी की छवि खराब करने तथा अपना राजनीतिक स्वार्थ साधने के लिए यह सब कर रही है। डोटासरा ने शनिवार को यहां यूनीवार्ता से बातचीत में कहा कि राहुल गांधी से भाजपा के लोग डरते है क्योंकि पहले इन लोगों ने झूठ बोलकर राहुल गांधी की छवि खराब कर दी। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि अब दूबारा इसी षडयंत्र में लगे हैं लेकिन इस बार ये कामयाब नहीं होंगे क्योंकि यह सब सामने आ चुका है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी अच्छे इंसान है, अच्छी सोच रखते और अच्छे लोगों से मिलते हैं तथा बिल्कुल सटीक एव सत्य बात कहते हैं, वह इन लोगों की तरह गुमराह नहीं करते हैं।

शर्मा के हरियाणा में कांग्रेस सरकार के समय नौकरियों एवं जमीनों के घोटाले होने के बयान पर डोटासरा ने कहा कि अब भाजपा की राजनीति में गिरावट आ गई हैं और उसने जनता से जो वादे किए वे सब एक्सपोज हो गये हैं क्योंकि वे सब झूठे वादे थे। भाजपा की सरकार भी विफल हो रही है और उसे ब्यूरोक्रेसी चला रही है।

उन्होंने कहा कि अब उनका गुजरात मॉडल विफल हो गया है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि चारों तरफ लूट मचा रखी और इलेक्टोरल बॉन्ड, राफेल घोटाला, सेबी घोटाला आदि यह सब सामने है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में जब कांग्रेस की सरकार थी तब वहां किसानों एवं नौजवानों सहित सबके लिए काम हुआ, केवल यह कह देना कि पहले नौकरी बिकती थी। उन्होंने कहा कि अगर कोई गड़बड़ी थी तो पिछले दस साल से हरियाणा में भाजपा की सरकार हैं, क्यों नहीं एक भी मुकदमा दर्ज किया और गड़बड़ करने वाले को पकड़कर जेल में डाला।

उन्होंने कहा कि चौटाला के समय गड़बड़ हुई तो वह जेल में हैं। डबल इंजन की सरकार होते हुए भी पिछले दस साल में कांग्रेस के समय के एक आदमी पर भी गलत नौकरी देने का आरोप नहीं लगा पाये और कोई मुकदमा दर्ज नहीं किया और किसी को जेल में नहीं डाल पाये। उन्होंने कहा कि भाजपा यह बस राजनीतिक स्वार्थ साधने के लिए झूठे आरोप लगा रही है और यह भाजपा की नीति है कि बार बार झूठ बोलो ताकि वह सच के नजदीक लगने लग जाये।

विश्व रेबीज दिवस पर आयोजित हुआ एंटी रेबीज टीकाकरण शिविर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में विश्व रेबीज दिवस के अवसर पर शनिवार को जयपुर के पांच बत्ती स्थित पशु चिकित्सा पॉली क्लिनिक में टीकाकरण शिविर का आयोजन किया गया। पशुपालन विभाग के शासन सचिव डॉ समित शर्मा द्वारा श्वान को टीका लगाकर शिविर का शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर शासन सचिव ने कहा कि रेबीज एक ऐसी जुनोटिक बीमारी है जिसका उपचार नहीं है लेकिन इसे होने से रोका जा सकता है। दुनिया भर में लगभग साठ हजार मौत प्रति वर्ष रेबीज के कारण होती जिसमें भारत का बहुत बड़ा हिस्सा है। इन मौतों को रोका जा सकता है। इसके लिए जागरूकता बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि आज मेडिकल साइंस की तरक्की से अधिसंख्य बीमारियों का उपचार संभव हो गया है। कुछ ही रोग ऐसे बचे हैं जो लाईलाज हैं जिनमें रेबीज का नाम प्रमुखता से आता है। इसलिए रेबीज से बचाव ही संभव है उपचार कोई नहीं है। इस संबंध में लोगों को जागरूक किया जाना चाहिए विशेष रूप से गांवों में रहनेवाले और पालतू पशुओं को पालने वालों के बीच में इसकी जागरूकता होना बहुत आवश्यक है।

इसके लिए पालतू पशुओं तथा संभावित रोग वाहक पशुओं में नियमित टीकाकरण की आवश्यकता है।

डॉ शर्मा ने कहा कि यदि किसी व्यक्ति या बच्चे को कुत्ता या अन्य जानवर काट ले तो उसे तुरंत मेडिकल डॉक्टर की सहायता से पोस्ट एक्सपोजर टीकाकरण प्रारंभ कर देना चाहिए और टीकाकरण कोर्स के सभी टीके निर्धारित दिवसों पर लगवाना चाहिए। इस अवसर पर शासन सचिव ने यह भी कहा कि आने वाले एक साल में पशु चिकित्सा संस्थानों में व्यापक सुधार लाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पशु चिकित्सालय किसी भी लिहाज से मनुष्यों के अस्पताल से कमतर नहीं हैं। ये उनसे अलग तो हैं पर इनका महत्व बिल्कुल भी कम नहीं है।

पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में गांधी वाटिका के निर्माण में हुआ भ्रष्टाचार : मदन दिलावर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर, । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर गांधी जी के मूल्यों, सिद्धांतों एवं संघर्ष को प्रदर्शित करने वाले गांधी दर्शन म्यूजियम (गांधी वाटिका) का संचालन 2 अक्टूबर से किया जाएगा। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने शनिवार को सेंट्रल पार्क स्थित गांधी वाटिका का दौरा कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने म्यूजियम में साफ–सफाई और दीवारों पर अंकित भिति चित्रों का अवलोकन किया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।

इस दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए दिलावर ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का गांधी जी और उनके सिद्धांतों से दूर–दूर तक कोई सरोकार नहीं है। इस पार्टी ने केवल गांधी नाम का इस्तेमाल अपनी स्वार्थ सिद्धि के लिए किया है। उन्होंने कहा कि गांधी जी के बताए सत्य, अहिंसा और सच्चाई के रास्ते पर चलने की बजाए कांग्रेस के लोग केवल उनके नाम का ढिंढोरा पीट रहे हैं और वर्तमान में कांग्रेस का नेतृत्व कर रहे लोग गांधी उपनाम का इस्तेमाल कर जनता को भ्रमित कर रहे हैं। दिलावर ने कहा कि कांग्रेस के एक बड़े परिवार ने गांधी सरनेम जोड़कर राजनीतिक लाभ लिया, जो कि महात्मा गांधी जी के सिद्धांतों का सबसे बड़ा हत्यारा है। सबसे रईस जीवन जीने वाले कांग्रेस के इस परिवार ने नागरिक अधिकारों के हनन की सबसे बड़ी त्रासदी के रूप में आपातकाल इस देश को दिया। इन्होंने गांधी जी के अहिंसा, प्रेस की स्वतंत्रता, गौ रक्षा, राम राज का मख़ौल बनाकर रख दिया था।

दिलावर ने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में गांधी वाटिका के निर्माण में भी भ्रष्टाचार हुआ और घटिया दर्जे का कोटा स्टोन लगाया गया। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत गांधीवादी होने का और गांधी परिवार के निष्ठावान होने का सिर्फ राजनीतिक इस्तेमाल करते हैं। राजस्थान की कांग्रेस स्वयं गांधी परिवार की कितनी इज्जत करती है इसका उदाहरण गत कार्यकाल में जगजाहिर हो चुका है। दिलावर ने कहा कि गांधी परिवार ने राजस्थान में जब अशोक गहलोत को हटाना चाहा, तब स्वयं पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत ने ही निर्णय मानने से इंकार करते हुए गांधी परिवार को अपनी असलियत दिखा दी थी।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि देश में भारतीय जनता पार्टी की सभी सरकारें महात्मा गांधी के पांच सिद्धांतों शिक्षा का भारतीयकरण, स्वदेशी को बढ़ावा, ग्राम स्वराज्य की दिशा में कदम, कुटीर उद्योगों को प्रोत्साहन और अंत्योदय पर गम्भीरता से काम कर रही है, लेकिन यह अचरज की बात है कि तथाकथित गांधीवादी पूर्ववर्ती कांग्रेस की सरकार ने सेंट्रल पार्क में बनाई गयी गांधी वाटिका में गांधीजी के इन सिद्धांतों में से एक को भी नहीं दर्शाया है। उन्होंने कहा कि करोड़ों रुपए व्यय कर सत्य, अहिंसा, अपरिग्रह इत्यादि की सामग्री छिपाकर, बलख मियां जैसी काल्पनिक स्टोरी तथा कांग्रेस के विदेशी संस्थापक ए. ओ. ह्यूम को प्राथमिकता दी गई है। साथ ही, राष्ट्र के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले वीर सावरकर जी और पंडित मदनमोहन मालवीय जी का नकारात्मक चित्रण किया गया है। यह सब नितांत ही दलगत व मिथ्या तथ्यों के प्रसार का प्रकल्प मात्र बनकर रह गया है।

राजस्थान के डूंगरपुर तथा झालावाड़ में कई जगह भारी बारिश

जयपुर। राजस्थान में बीते 24 घंटे में डूंगरपुर तथा झालावाड़ में कई जगह भारी बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार अभी कुछ इलाकों में और बारिश हो सकती है। जयपुर के मौसम केंद्र के अनुसार शनिवार सुबह से पहले 24 घंटे में पश्चिमी राजस्थान में कहीं कहीं तथा पूर्वी राजस्थान में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम स्तर की बारिश दर्ज की गयी, पूर्वी राजस्थान के डूंगरपुर तथा झालावाड़ में कहीं–कहीं भारी बारिश दर्ज की गई है। विभाग के अनुसार इस दौरान सबसे अधिक अधिक 74 मिलीमीटर बारिश मनोहरथाना (झालावाड़) में हुई, इसके अलावा गुडामलानी (बाड़मेर) में 28 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।

मौसम कार्यालय के मुताबिक 28–29 सितंबर को भी राज्य के कोटा, उदयपुर व भरतपुर संभाग के कुछ भागों में मेघ गर्जन के साथ हल्के से मध्यम स्तर की बारिश होने की प्रबल संभावना है, इस दौरान जोधपुर संभाग के दक्षिणी भागों में भी कुछेक स्थानों पर हल्की मध्यम बारिश का अनुमान है। मौसम कार्यालय ने कहा कि 30 सितंबर से राज्य के अधिकांश भागों में बारिश में कमी होने तथा केवल उदयपुर संभाग में कहीं–कहीं बादल बसरने का अनुमान है।

सीमावर्ती क्षेत्रों के लोगों का शहरों की ओर पलायन करना चिंता का विषय : दत्तात्रेय

जैसलमेर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा है कि देश की सीमाओं को सुरक्षित रखने में सीमा पर संगठित एवं समरस समाज की महत्वपूर्ण भूमिका है, लेकिन परंतु चिंता का विषय है कि कमाई, दवाई और पढ़ाई के लिये लोग सीमा से शहरों की तरफ पलायन कर रहे हैं। दत्तात्रेय ने शनिवार को जैसलमेर में सीमाजन कल्याण समिति की प्रांत बैठक में छह जिलों के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुये कहा कि यह जरूरी है कि शासन–प्रशासन जन कल्याण को प्राथमिकता दें। उन्होंने सीमाजन कल्याण समिति के कार्यक्रमों, संगठन विस्तार के लिये शक्ति केन्द्रों का गठन, ग्राम समितियों के निर्माण के साथ कार्यकर्ताओं के सुदृढ़ नेटवर्क स्थापित करने जैसे कई बिन्दुओं पर विस्तार से चर्चा करते हुये कहा कि सीमा पर अंतरराष्ट्रीय गतिविधियों से निपटने में हमारी पुलिस एवं सेना सक्षम है। दत्तात्रेय ने सीमा जन कल्याण समिति द्वारा राज्य के सीमावर्ती क्षेत्रों के नागरिकों के उत्थान के लिये चलाये जा रहे सामाजिक समरसता समाज में देश हित के कार्यों की जागरूगता जैसे कार्यक्रमों की समीक्षा की।

दुर्गापुरा में आकर रुका था अश्वमेध यज्ञ का अश्व: वहीं विराजमान हुई माता दुर्गा की प्रतिमा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। दुर्गापुरा में स्थित प्राचीन दुर्गा माता का मंदिर में मां महिषासुर मर्दिनी के रूप में माता की तीन फीट की अष्टभुजाधारी प्रतिमा विराजमान है। इस मंदिर में हर नवरात्रि की सप्तमी को मेला भरता है। मेले में सैकड़ो की संख्या में श्रद्धालु आते है। माता रानी को नवरात्रि में जरी की पोशाक धारण करवाई जाती है। हालांकि श्रद्धालुओं को माता को पोशाक भेंट करने के लिए दो साल का इंतजार करना पड़ता है।

माता रानी को पोशाक भेंट करने के लिए चैत्र नवरात्र से बुकिंग शुरू हो जाती है। पोशाक के लिए अब तक 2025 तक की बुकिंग हो चुकी है। महंत महेंद्र भट्टाचार्य ने बताए अनुसार दुर्गापुरा में स्थित दुर्गा माता मंदिर की स्थापना पूर्व मिर्जा राजा मानसिंह ने आश्विन शुक्ल अष्टमी,संवत 1872 करवाई थी। राजा मानसिंह माता रानी की प्रतिमा पश्चिम बंगाल के जैसोर से शिला माता के साथ लेकर आए थे। तब माता रानी को महल में विराजमान किया गया था।

संवत 1872 में सवाई प्रतापसिंह ने अश्वमेघ यज्ञ करवाया था। वहां से उन्होने अश्व छोड़ा। वो अश्व दुर्गापुरा में आकर रुका। जहां अश्व आकर रुका ,वहीं माता रानी की प्रतिमा स्थापित करवाई गई। मंदिर में फिलहाल जो महंत है उनकी 12वीं पीढ़ी ही मंदिर की सेवादारी कर रही है।

दुर्गा माता अष्टभुजाधारी है, जिनके दाहिने एक हाथ में तलवार, दूसरे में चक्र, तीसरे हाथ में डमरू और बाएं पहले हाथ में ढाल, दूसरे में शंख व तीसरे में गदा है। जबकि चौथे दोनों हाथों से महिषासुर का वध करते हुए दर्शन दे रही है।

महंत महेंद्र भट्टाचार्य ने बताया कि नवरात्रि में माता की जरी पोशाक भी खास होती है। यह पोशाक 13 मीटर कपड़े में तैयार होती है। अध्यक्ष महेन्द्र भट्टाचार्य ने बताया कि पुरानी पोशाक को लोग अपने बच्चों के कपड़े सिलवाने के लिए ले जाते है। भक्त अपने बच्चों को नजर और बीमारियों से बचाने के लिए माता की पोशाक से कपड़े सिलवा कर पहनाते है। माता को हर दिन सुबहशाम नई पोशाक धारण होती है। एक पोशाक चार बार ही धारण होती है।

नवरात्रि में दुर्गा माता के नौ दिन तक विशेष श्रृंगार किया जाता है। नवरात्रि में मंदिर के पट सुबह 6 से दोपहर 12 बजे और शाम 5 से रात 9 बजे तक खुलते है। अन्य दिनों में दर्शन रात 8 बजे तक ही खुलते है। नवरात्रि में आमेर शिला माता के छठ का मेला भरता है, जबकि दुर्गापुरा स्थित दुर्गा माता के सप्तमी का मेला भरता है। इस दिन माता के विशेष झांकी के दर्शन होंगे। शाम को शोभायात्रा के साथ माता को ध्वजा चढ़ाई जाएगी।

रणथंभौर में भाजपा की महामंथन बैठक, संगठन महामंत्री बीएल संतोष ने की सदस्यों को जोड़ने की अपील

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सवाई माधोपुर। भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष दिल्ली चुनावों को लेकर रणथंभौर में आयोजित होने वाली दो दिवसीय महामंथन बैठक में शामिल होने के लिए शनिवार को सवाई माधोपुर पहुंचे। सवाई माधोपुर दौरे के दौरान भाजपा के संगठन महामंत्री बीएल संतोष राजस्थान प्रदेश भाजपा की सदस्यता अभियान की बैठक में भी शामिल हुए। साथ ही राजस्थान में चल रहे भाजपा सदस्यता अभियान की समीक्षा की और भाजपाइयों को आवश्यक निर्देश दिए।

जिला मुख्यालय के रणथंभौर रोड स्थित होटल हिलव्यू में आयोजित सदस्यता अभियान की बैठक में कैबिनेट मंत्री डॉक्टर किरोड़ी लाल मीणा, प्रदेश महामंत्री जितेंद्र गोठवाल, पूर्व सांसद जसकोर मीणा, सदस्यता अभियान के संयोजक दीनदयाल अग्रवाल, जिला संगठन प्रभारी प्रणवेन्द्र शर्मा सहित भाजपा के दर्जनों पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बैठक में शामिल हुए हैं।

बैठक में संगठन को और अधिक मजबूत बनाए जाने का आह्वान किया गया। साथ ही सदस्यता अभियान को लेकर खासा जोर दिया गया। बैठक में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष ने कहा कि भाजपा का सदस्यता अभियान संगठन के लिए रीड की हड्डी है।

जिसे मजबूत करना हर भाजपा कार्यकर्ता का दायित्व है। छोटे से लेकर बड़े तबके के प्रत्येक कार्यकर्ता को सदस्यता अभियान की जिम्मेदारी दी गई है। वो इस जिम्मेदारी को पूरी ईमानदारी के साथ निभाये और जिला अध्यक्ष, ब्लॉक अध्यक्ष से लेकर बूथ एंव पन्ना प्रमुख अपना काम ईमानदारी से कर अधिक से अधिक सदस्य बनाए और भाजपा को मजबूत कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और संगठन को मजबूत करें।

इस जिम्मेदारी को पूर्ण करना प्रत्येक भाजपा कार्यकर्ता का दायित्व है। इस दौरान डॉक्टर किरोड़ी लाल मीणा और जितेंद्र गोठवाल सहित अन्य भाजपा नेताओं ने भी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया और सदस्यता अभियान को प्रमुखता से लेने का आह्वान किया।

संविदाकर्मी ने सरकारी अधिवक्ताओं के कार्यालय में की आत्महत्या

जयपुर। जयपुर के अशोक नगर थाना क्षेत्र में स्थित सरकारी अधिवक्ताओं के कार्यालय में एक संविदाकर्मी का शव फंदे से लटका मिला। पुलिस ने यह जानकारी दी। सहायक पुलिस आयुक्त (अशोक नगर) बालाराम ने बताया कि संविदाकर्मी मनीष सैनी (34) का शव अधिवक्ता कार्यालय में फंदे से लटका मिला । उन्होंने बताया कि बांदीकुई निवासी सैनी के शव को पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया गया है। घटना के बाद मृतक के परिजनों ने परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी और मुआवजा देने की मांग कोलेकर कार्यालय के बाहर धरना प्रदर्शन किया।

ओडिशा के मुख्यमंत्री ने पुलिस से कहा, 'महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करें'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा में महिलाओं से छेड़छाड़ के मामलों में वृद्धि के मद्देनजर मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने शनिवार को पुलिस से सड़कों पर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने को कहा।

माझी ने जिलाधिकारियों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले 22 वर्षों में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में दोषसिद्धि की दर कम रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार इसे बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने कहा, रिकॉर्ड में देखा जा सकता है कि ओडिशा में महिलाओं से छेड़छाड़ के मामलों में वृद्धि हुई है। पुलिस विभाग को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि लड़कियां, छात्राएं और महिलाएं पूरे राज्य में स्वतंत्र रूप से घूम सकें।

माझी ने कहा, महिलाओं के खिलाफ अपराधों में आपको कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। इस तरह के आंकड़ों से दो बातें पता चलती हैं, या तो पुलिस जांच में खामियां हैं या फिर विभाग की ओर से त्वरित सुनवाई के इरादे की कमी है।

सम्मेलन में विभिन्न जिलों के पुलिस अधीक्षक और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। उन्होंने कहा, मैं डीजीपी (पुलिस महानिदेशक) से आग्रह करता हूं कि वे एक सप्ताह के भीतर महिलाओं के खिलाफ मामलों, लंबित सजा की स्थिति और अन्य आंकड़ों का जिलावार डेटा उपलब्ध कराएं। कानूनी परामर्श के बाद भविष्य की रूपरेखा तैयार की जाएगी।

माझी ने महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों को बर्दाश्त नहीं करने की राज्य सरकार की नीति पर जोर देते हुए कहा कि अगर प्रभावशाली लोग भी इसमें शामिल पाए गए तो भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने पुलिस से कहा कि वे थानों में महिलाओं का सम्मान करें, उनकी शिकायतों को धैर्यपूर्वक सुनें और तत्काल कार्रवाई करें।

संदिग्ध उग्रवादियों ने मणिपुर के जिरीबाम जिले में गोलीबारी की

इंफाल/भाषा। मणिपुर में जिरीबाम जिले के एक गांव में शनिवार को कुछ संदिग्ध उग्रवादियों ने गोलीबारी की। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, कुछ हथियारबंद लोगों ने पास की पहाड़ियों और आसपास के घने जंगलों से मोंगबुंग मैतेई गांव पर अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसके बाद क्षेत्र के गांव के स्वयंसेवकों ने जवाबी कार्रवाई की। ग्रामीणों के हवाले से एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि कई महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मौजूदा स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सुरक्षाबलों को भेजा गया है। इस गोलीबारी में अब तक किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है।

कुछ मुख्यमंत्री झारखंड में वोट के लिए आए हैं, जबकि उनके राज्य बाढ़ की चपेट में हैं : सोरेन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा पर परोक्ष हमला करते हुए शनिवार को कहा कि जब ''कुछ राज्य'' बाढ़ की चपेट में हैं, तो उनके मुख्यमंत्री वोट के लिए यहां डेरा डाले हुए हैं।

सोरेन ने यहां एक सरकारी समारोह को संबोधित करते हुए भाजपा की 'परिवर्तन यात्रा' पर परोक्ष रूप से कटाक्ष करते हुए दावा किया कि चुनाव नजदीक आते ही झारखंड पर गिद्ध मंडराने लगे हैं ।

मुख्यमंत्री ने समारोह के दौरान लगभग 795 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का अनावरण किया। उन्होंने कहा, ''हमारे विपक्ष के पास बहुत पैसा है। भले ही उन्हें लोग खारिज कर दें, लेकिन वे सरकारें खरीद लेते हैं। महाराष्ट्र में ऐसा ही हुआ, जहां विधायकों को खरीदकर सरकार बनाई गई।''

सोरेन ने कहा, ''झारखंड में दो-तीन महीने में चुनाव होने वाले हैं। झारखंड के ऊपर बहुत सारे नेता गिद्धों की तरह मंडरा रहे हैं।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित राज्यों के मुख्यमंत्री सहित पार्टी के कम से कम 50 राष्ट्रीय और राज्य-स्तरीय नेता परिवर्तन यात्रा में हिस्सा ले रहे हैं और राज्य के सभी विधानसभा क्षेत्रों में लोगों से संपर्क कर रहे हैं।

सोरेन ने शर्मा पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ मुख्यमंत्री वोट के लिए यहां आए हैं, जबकि उनके राज्य (इस वक्त) बाढ़ से जूझ रहे हैं।

झारखंड में भाजपा के प्रभारी शर्मा राज्य में पार्टी के लिए व्यापक प्रचार कर रहे हैं।

खरगे ने युवा बेरोजगारी को लेकर प्रधानमंत्री पर निशाना साधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली /भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने देश में युवाओं में बेरोजगारी के भयावह स्तर को लेकर शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा और कहा कि प्रधानमंत्री को बताना चाहिए कि क्या 2023-24 में युवा बेरोज़गारी दर 10.2 प्रतिशत नहीं रही। उन्होंने आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) के आंकड़ों का हवाला देते हुए यह भी कहा कि लाख कोशिशों के बावजूद ये सरकारी डेटा युवाओं की बेबसी को छिपा नहीं पा रहा है।

खरगे ने एक्स पर पोस्ट किया, बेरोज़गारी से बड़ा देश में कोई मुद्दा नहीं है। युवाओं के भविष्य को बर्बाद करने में मोदी जी का सबसे बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि पीएलएफएस के ताज़ा आंकड़ों को अगर बारीक़ी से देखें तो लाख कोशिशों के बावजूद भी ये सरकारी डेटा युवाओं की बेबसी को छिपा नहीं पा रहा है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, नरेन्द्र मोदी जी को बताना चाहिए कि क्या 2023-24 में युवा बेरोज़गारी 10.2 प्रतिशत के भयावह स्तर पर नहीं रही? रंगबिरंगे नारे देने और फ़ोटोबाज़ी करने के बजाय मोदी जी ने युवाओं को नौकरियां देने के लिए क्या किया?

खरगे ने यह सवाल भी किया कि विनिर्माण क्षेत्र पर रोज़ाना ढिंढोरा पीटने वाली मोदी सरकार ने इसमें पिछले 7 वर्षों में रोज़गार में बढ़ोतरी क्यों नहीं की है तथा ये आंकड़ा 15.85 प्रतिशत (2017-18) से लुढ़कर मात्र 11.4 प्रतिशत (2023-24) कैसे रह गया? उन्होंने कहा, मोदी जी, याद रखिए भारत का एक-एक युवा जिसके रोज़गार को आपकी सरकार ने हथियाने का काम किया है, वो चुनाव दर चुनाव भाजपा को हराने का एकमात्र काम करेगा।

झामुमो नीत सरकार वोट बैंक के लिए झारखंड में घुसपैठ को बढ़ावा दे रही : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देवघर (झारखंड)/भाषा। राजस्थान के मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता भजनलाल शर्मा ने शनिवार को आरोप लगाया कि झारखंड में सत्तारूढ़ झामुमो नीत सरकार तुष्टीकरण की राजनीति कर रही है और 'वोटबैंक सुरक्षित' करने के लिए राज्य में घुसपैठ को बढ़ावा दे रही है।

शर्मा ने यह भी आरोप लगाया कि झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो), कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ' वंशवाद की राजनीति को प्रोत्साहित' कर रहे हैं और सभी दल अपने नेताओं के 'परिवार के सदस्यों के विकास और समृद्धि'के लिए काम कर रही हैं।

शर्मा झारखंड के देवघर जिले में भाजपा की 'परिवर्तन यात्रा'के दौरान आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। राज्य में इस साल विधानसभा चुनाव होने हैं। उन्होंने आरोप लगाया, '' झामुमो नीत गठबंधन तुष्टीकरण की राजनीतिक में संलिप्त है। वे वोटबैंक के लिए बांग्लादेशी घुसपैठियों को प्रोत्साहित कर रहे हैं। झारखंड के कई जिलों में आदिवासियों की आबादी में गिरावट आ रही है जबकि बांग्लादेशी घुसपैठियों की आबादी बढ़ रही है। वे राज्य को खतरे में डाल रहे हैं।''

शर्मा ने आरोप लगाया कि झारखंड में सत्तारूढ़ गठबंधन के दल 'वंशवाद की राजनीति को बढ़ावा'दे रहे हैं। उन्होंने कहा, '' वे देश, समाज, मजदूर, किसान, युवा और महिलाओं के लिए काम नहीं कर रहे हैं। वे केवल अपने परिवार के विकास और समृद्धि के लिए काम कर रहे हैं।''

शर्मा ने आरोप लगाया कि झामुमो और कांग्रेस ने पांच साल पहले चुनाव में किए वादे पूरे नहीं किए हैं। उन्होंने कहा, '' वे झूठी बयानबाजी कर रहे हैं और राज्य में लूट एवं भ्रष्टाचार में संलिप्त हैं। चुनाव नजदीक आते ही लोगों को भ्रमित करने की कोशिश कर रहे हैं।''

खिलाड़ियों के लिए खेल सुविधाओं में सुधार पर निरंतर जोर दे रहे हैं प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने शनिवार को कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार में युवा मामले और खेल मंत्रालय के लिए बजटीय आवंटन में तीन गुना इजाफा किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार खेलों की बेहतरी और खिलाड़ियों को सुविधाएं देने पर जोर देते रहे हैं।

पटना में भाजपा के प्रदेश कार्यालय में आयोजित सेवा पखवाड़ा के तहत 'पैरालंपिक खिलाड़ी सम्मान एवं सदस्यता' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में युवा मामले और खेल मंत्रालय के लिए बजटीय आवंटन में तीन गुना वृद्धि की गई है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार 34 खेल विधाओं में हमारे खिलाड़ियों को विश्व स्तरीय प्रशिक्षण, उपकरण और कोचिंग प्रदान कर रही है।

नड्डा ने कहा कि ओलंपिक हो या पैरालिंपिक प्रधानमंत्री लगातार खेलों की बेहतरी और खिलाड़ियों को सुविधाएं देने पर जोर दे रहे हैं और बजटीय आवंटन बढ़ाकर 1.5 करोड़ रुपए कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष में संबंधित मंत्रालय के लिए 3342 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।

नड्डा ने कहा कि भारत सरकार ने हाल के दिनों में खेल उत्कृष्टता और देश भर में एक मजबूत खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए कई पहल की हैं। उन्होंने कहा कि देश में कुल 1000 खेलो इंडिया केंद्र बनाए जा रहे हैं और 715 को चालू कर दिया गया है।

नड्डा ने कहा कि 'खेलो इंडिया' योजना का उद्देश्य देश भर में खेल उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए एक जन आंदोलन को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा की गई पहलों के कारण ओलंपिक, पैरालंपिक और अन्य अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों में भारत उत्कृष्ट प्रदर्शन देखने को मिला है और पिछले सभी रिकॉर्ड टूट गए हैं।

नड्डा ने अपनी एक दिवसीय इस यात्रा के दौरान पटना में स्थित शहीद स्मारक परिसर में सप्तमूर्ति पर पुष्पांजलि अर्पित कर सात अमर बलिदानियों को नमन किया। उन्होंने कहा कि 1942 में अगस्त क्रांति के दौरान मां भारती के स्वाधीनता के लिए शहीद हुए देश के महान सपूतों का साहस, शौर्य व राष्ट्रभक्ति सदैव प्रेरणादायक है।

न्याय प्रणाली को दिव्यांग बच्चों की कमजोरियों पर ध्यान देना चाहिए : सीजेआई चंद्रचूड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ ने शनिवार को कहा कि यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि पुलिस थानों से लेकर अदालतों तक न्याय प्रणाली दिव्यांग बच्चों की बढ़ती कमजोरियों को समझे और उन पर कार्रवाई करे।

बाल संरक्षण पर नौवें राष्ट्रीय वार्षिक हितधारक परामर्श में प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि दिव्यांग व्यक्तियों के सामने आने वाली चुनौतियां भौतिक पहुंच के मुद्दों से कहीं अधिक हैं और उन्हें उन सामाजिक पूर्वाग्रहों, रूढ़ियों तथा गलत धारणाओं से भी निपटना होगा जो जीवन के लगभग हर पहलू में व्याप्त हैं। उन्होंने कहा, हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि पुलिस थानों से लेकर अदालतों तक की न्याय प्रणाली इन बच्चों की बढ़ती हुई कमजोरियों को समझे और उन पर कार्रवाई करे। पुनरर्थापनात्मक न्याय दृष्टिकोण को शामिल करना ऐसा ही एक समाधान है। जेजे अधिनियम (किशोर न्याय अधिनियम) कानून के साथ जूझते बच्चों के लिए परामर्श, शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण और सामुदायिक सेवा जैसे विभिन्न पुनर्वास और पुनः एकीकरण उपायों की रूपरेखा तैयार करता है। दिव्यांग बच्चों के लिए, इन उपायों को अनुकूलित किया जा सकता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उन्हें आगे बढ़ने के लिए आवश्यक विशेष सहायता प्राप्त हो।

यह दो दिवसीय कार्यक्रम उच्चतम न्यायालय की किशोर न्याय समिति के तत्वावधान में यूनिसेफ, भारत के सहयोग से आयोजित किया गया।

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने दो दिवसीय कार्यक्रम के लिए विशेष संबोधन दिया, जबकि उद्घाटन भाषण न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना ने दिया, जो उच्चतम न्यायालय की किशोर न्याय समिति की अध्यक्ष भी हैं।

स्वतंत्रता के लिए भगत सिंह का त्याग और समर्पण सदा अमर रहेगा : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

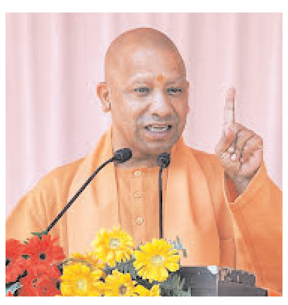

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भाजपा और विपक्षी दलों के कई नेताओं ने शनिवार को क्रांतिकारी व स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

आदित्यनाथ ने कहा कि आजादी के लिए उनका त्याग और समर्पण सदा अमर रहेगा। वहीं समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने 'एक्स' पर एक कविता साझा कर भगत सिंह को याद किया।

आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी व वीर क्रांतिकारी भगत सिंह की जयंती पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि! उन्होंने कहा कि मां भारती की स्वतंत्रता के लिए उनका त्याग व समर्पण सदा अमर रहेगा।

आदित्यनाथ ने कहा, भारत की एकता-अखंडता को अक्षुण्ण रखने के लिए उनका अतुल्य बलिदान सदियों तक हमें प्रेरित करता रहेगा।

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में शहीद भगत सिंह के विचारों को साझा करते हुए लिखा, मरकर भी मेरे दिल से वतन की उल्फत नहीं निकलेगी, मेरी मिट्टी से भी वतन की ही खुशबू आएगी। मौर्य ने कहा, अनन्त सम्मान के साथ भगत सिंह जी की जयंती पर उन्हें शत-शत नमन ! उनका साहस, उनका जज़्बा, उनकी शहादत- हमेशा हमें अपने देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी याद दिलाती है।

दूसरे उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने अपने 'एक्स' खाते पर लिखा, भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में अपने प्राणों की आहुति देने वाले, युवाओं में क्रांति की ज्वाला जलाने वाले, मां भारती के वीर सपूत, अमर बलिदानी सरदार भगत सिंह जी की जयंती पर कोटिशः नमन।

प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय ने 'एक्स' पर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा द्वारा भगत सिंह को दी गयी श्रद्धांजलि का संदेश साझा किया है, जिसमें वाद्रा ने कहा कि ''शहीद-ए-आजम भगत सिंह जी ने अपने विचारों और शहादत के जरिये पूरे देश को जागृत किया।''

इसी पोस्ट में उन्होंने कहा कि ''वे न सिर्फ अन्याय के विरुद्ध डटकर खड़े हुए बल्कि सर्वोच्च बलिदान देकर देश को आजादी, लोकतंत्र और न्यायपूर्ण व्यवस्था के लिए प्रेरित किया।''

झारखंड में आजसू, जदयू के साथ मिलकर चुनाव लड़ेगी भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को घोषणा की कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) झारखंड में आगामी विधानसभा चुनाव राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटक दलों ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन (आजसू) और जनता दल (यूनाइटेड) के साथ मिलकर लड़ेगी।

भाजपा के झारखंड चुनाव के सह-प्रभारी शर्मा ने कहा कि सहयोगी दलों के बीच सीट बंटवारे का समझौता अंतिम चरण में है। उन्होंने रांची में पत्रकारों से कहा, ''भाजपा, आजसू और जदयू के साथ मिलकर झारखंड चुनाव लड़ेगी। सहयोगियों के साथ 99 प्रतिशत सीट पर सहमति बन गई है। बाकी की एक या दो सीट के लिए बातचीत की जा रही है और इन पर जल्द ही फैसला लिया जाएगा।''

शर्मा ने कहा कि इस संबंध में औपचारिक घोषणा 'पितृ पक्ष' के बाद की जाएगी जो दो अक्टूबर को समाप्त हो रहा है।

झारखंड में 81 सदस्यीय विधानसभा के लिए चुनाव इस साल के अंत में प्रस्तावित है।

राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा को पत्र लिखकर उन अभ्यर्थियों की मौत की विस्तृत जांच के लिए सहायता मांगी है जो आबकारी भर्ती अभियान के तहत शारीरिक परीक्षण के लिए उपस्थित हुए थे। इस पर शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार को इसकी जांच करनी चाहिए।

शर्मा ने कहा, ''चूंकि मौत झारखंड में हुई है तो जांच की पहली जिम्मेदारी राज्य सरकार की है। अगर मुख्यमंत्री को लगता है कि विस्तृत जांच की आवश्यकता है तो उन्हें न्यायिक जांच के लिए झारखंड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखना चाहिए। हम इसका स्वागत करेंगे।''

हाल में इस अभियान के दौरान शारीरिक परीक्षा में भाग लेते हुए 15 अभ्यर्थियों की जान चली गई थी। भाजपा इन मौतों को लेकर सोरेन सरकार पर हमलावर है और आरोप लगा रही है कि वे प्रशासन के कुप्रबंधन के शिकार हुए।

राष्ट्रपति मुर्मू ने महिला अधिवक्ताओं, कानून के विद्यार्थियों का नेटवर्क स्थापित करने की हिमायत की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को यहां नालसार विधि विश्वविद्यालय और इसके पूर्व छात्रों से सभी हितधारकों का समर्थन प्राप्त करने तथा महिलाओं के खिलाफ अत्याचार की रोकथाम के प्रयास करने के लिए महिला अधिवक्ताओं एवं कानून के विद्यार्थियों का एक राष्ट्रव्यापी नेटवर्क स्थापित करने में मदद करने का आग्रह किया।

नालसार विधि विश्वविद्यालय के 21वें वार्षिक दीक्षांत समारोह में शामिल हुईं राष्ट्रपति ने कहा, ''यह नेटवर्क महिलाओं के खिलाफ अत्याचारों की रोकथाम करने तथा ऐसे अत्याचारों के मामलों से निपटने के लिए ठोस प्रयास करेगा।''

इस अवसर पर तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा, मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी, तेलंगाना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश आलोक अराधे और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

इससे पहले, यहां बेगमपेट हवाई अड्डे पर मुर्मू के पहुंचने पर राज्यपाल, मुख्यमंत्री, उनके कैबिनेट सहकर्मियों और वरिष्ठ अधिकारियों ने गर्मजोशी से राष्ट्रपति का स्वागत किया।

बलिया में रेल पटरी पर रखा पत्थर ट्रेन के इंजन से टकराया, कोई क्षति नहीं

बलिया/भाषा। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के बैरिया इलाके में शनिवार को रेल की पटरी पर रखा गया एक पत्थर ट्रेन के इंजन से टकरा गया। हालांकि, इससे किसी तरह की क्षति नहीं हुई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

उत्तर प्रदेश में रेल पटरियों पर गैस सिलेंडर, खंभा आदि पाये जाने के मामलों के बीच शनिवार को घटी इस घटना से सनसनी फैल गयी।

पूर्वोत्तर रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी अशोक कुमार ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि शनिवार को वाराणसी-बलिया-छपरा रेल प्रखंड पर पूर्वाह्न 10:25 बजे बकुलहा-मांझी रेलवे स्टेशन के बीच किमी-18/10 पर रेल पटरी पर पत्थर मिला। उन्होंने बताया कि लखनऊ से छपरा जा रही 15054 लखनऊ-छपरा एक्सप्रेस ट्रेन के इंजन के 'कैटल गार्ड' से पत्थर टकरा कर हट गया। कुमार ने बताया कि लोको पायलट (रेल चालक) ने पटरी पर रखे पत्थर को देखकर आपातकालीन ब्रेक लगाया, जिसके बाद इंजन के कैटल गार्ड से पत्थर टकरा कर हट गया। उन्होंने कहा कि इसके उपरांत सुरक्षा सुनिश्चित कर लोको पायलट द्वारा ट्रेन को गंतव्य की ओर रवाना किया गया। उन्होंने बताया कि इस घटना में किसी तरह की क्षति की कोई सूचना नहीं है।

बैरिया थाना के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) रामायण सिंह ने बताया कि बिहार सीमा पर स्थित मांझी पुल के पहले चांद दियर गांव के यादव नगर के सामने यह घटना हुई। उन्होंने बताया कि इस रेल मार्ग से लखनऊ-छपरा एक्सप्रेस ट्रेन के आधा घंटा पहले एक यात्री ट्रेन भी गुजरी है।

सुविचार

मिली थी जिंदगी किसी के काम आने के लिए,पर वक्त बित रहा है कागज के टुकड़े कमाने के लिए!

ट्वीट

संगीत जगत की सिरमौर, मां सरस्वती की सतत साधिका, पार्श्व गायिका 'भारत रत्न' श्रद्धेय लता मंगेशकर जी की जयंती पर उन्हें सादर नमन। आपकी दिव्य संगीत साधना ने न केवल फिल्म जगत को समृद्ध किया।

-अर्जुनराम मेघवाल

आज रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र (अलवर दक्षिण) में वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ता बंधुओं के साथ बैठक कर सदस्यता अभियान व अन्य संगठनात्मक विषयों पर चर्चा की। इस अवसर पर आगामी उपचुनाव को लेकर भी मंथन किया।

-मदन राठौड़

कहानी

देवेंद्र

धर्मराज

साँझ का समय है। दिन भर तक थकाने वाली आफिसों की हाँव-हाँव, किच-किच, ऊपर से बाजार का शोर। चारों ओर एक अस्त-व्यस्त माहौल है। लेकिन शहर की भव्यतम कालोनी में सन्नाटा घिर चुका है। कुछ महीनों पहले छोकरे यहाँ की सड़कों पर तबीयत हरी करने के लिए टहलते रहते थे और सुंदरियाँ! वे अपने खुले हुए घने लंबे बालों को बिखरा कर रात को आमंत्रण दिया करती थीं। लेकिन सब बीते दिनों की बातें हैं। और अब सबकी याद करके भी आप क्या कर लेंगे। उस टी.वी. को तो रोक नहीं लेंगे। जिसके सामने बैठकर बच्चे, बच्चे कम पैदा करने की नसीहत सीख रहे हैं। वह लॉन जहाँ अभी कुछ ही दिन पहले देर रात तक लड़के खेला करते थे, वहाँ कुछ रिटायर्ड बूढ़े अपनी छड़ी रखकर बैठे हुए एक दूसरे को घूर रहे हैं। 'बहुएँ' इनका मुख्य अंतर्विरोध। चुप्पी सबसे बड़ी मजबूरी। इनका गुजरा जमाना इनकी सबसे झूठी और हसीन यादें हैं। समय एक विराट पहाड़ की तरह इनकी आँखों में झूल रहा है। जिसे ढोते हुए ये अपने जीने की खुशी ढूँढ़ रहे हैं। और इस तरह एक-दूसरे को घूर रहे हैं। यह सब देखता सोचता, जाने क्या-क्या सोचता और डरता हुआ धर्मराज इस समय बेहद उदास घर की ओर जा रहा है। भला हो, बुरा हो, चाहे जैसा भी हो घर, घर ही होता है, जहन्नुम नहीं। लेकिन उसके लिए घर और जहन्नुम के बीच का फर्क मिट चुका है। इस आशंका से भरा हुआ कि कहीं कोई देख न ले, वह चश्मे के भीतर अपनी नरम-नरम आँखें पोंछता है। कई अरसे गुजर गए इन आँखों से उससे कभी रोया नहीं गया। और हँसने की बात तो उसे लड़कपन के दिनों की बेवकूफी लगती है।

आप सबको जिज्ञासा हो सकती है कि आखिर यह धर्मराज है क्या चीज? इसे मैं कब से और कैसे जानता हूँ? लेकिन यह सब एकदम सही-सही बता पाना मेरे लिए असंभव सा है। बस इतना जान लीजिए कि यह अक्सर मुझे सुबह-दोपहर-शाम, जब भी बिजली का बिल जमा करने जाता हूँ, नौकरी के लिए या ऑफिस में किसी काम के लिए अर्जी देने जाता हूँ, यह वहीं मिल जाता है। कभी क्लर्क की शक्ल में ऑफिस के मेज पर पैर फैलाए पान घुलाकर ज्योतिष, सेक्स या राजनीति जैसे विषयों पर एकाधिकार प्राप्त विशेषज्ञ की हैसियत से बात करता है तो कभी साहब का चपरासी बनकर और कभी साहब के ही वेष में। इन तरह-तरह के रूपों में उसकी एक ही बात होती है - पैसा। पेशे और पद के मुताबिक रिरियाकर या डाँटकर।

बहरहाल, आज मुझे एकदम नए रूप में मिला था। मैंने देखा कि धर्मराज बाबा सतीशानंद महाविद्यालय के प्राचार्य की कुर्सी पर बैठा है। उसे वहाँ देखकर कुछ भय और कुछ अचरज से मैं ऐसा भर गया कि मेरा समूचा शरीर थरथर काँपने लगा। ऑफिस के बाहर लड़कों की भारी भीड़ हाथों में जूते और चप्पल लेकर नारे लगा रही थी। किसी प्रोफेसर अग्रवाल ने घर पर काम करने वाली किसी नौकरानी के साथ कुछ कर दिया था। लड़के उन्हीं को सस्पेंड करने की माँग पर डिस्को कर रहे थे। बगल वाले हॉल में अध्यापक संघ की मीटिंग अपने वर्गीय हितों को ध्यान में रखते हुए बेहद उत्तेजित थी। उनका एक प्रतिनिधि धर्मराज के पास आया और यह बताकर चला गया कि लौंडों की बात में आए तो परिणाम सोच लीजिएगा। हम कक्षाओं का सामूहिक बहिष्कार करेंगे। आमरण अनशन पर बैठेंगे। और प्रोफेसर अग्रवाल की अप्लीकेशन है। मेडिकल लीव ग्रांट कर दीजिए। धर्मराज बेहद परेशान कुछ समझ नहीं पा रहा है। एक पुलिस का सिपाही मंसाराम उसे समझा रहा है। - 'साहब अनिश्चितकालीन बंद कर दीजिए। सस्पेंड करेंगे तो फिर अध्यापक संघ का नया बवाल। छात्रों का मन बढ़ेगा। फिर किसको-किसको सस्पेंड करेंगे? वैसे भी अग्रवाल सत्ता पार्टी का है। दिल्ली गया है।'

लड़कों की भीड़ कलेक्टर के बंगले की ओर बढ़ चली। इधर जबसे समकालीन कवियों में नारेबाजी की प्रवृत्ति बढ़ी है तबसे लड़कों ने नारों को काव्यमय, नृत्यमय और संगीतमय कर दिया है। यह जुलूस है या जलसा? नारे गूँज रहे हैं - 'जो हमसे टकराएगा, चूर-चूर हो जाएगा।' रास्ते में एक ठेलावाला मिला। चूर-चूर हो गया। एक बुढ़िया खोमचे में मूँगफली बेच रही थी। एक ही लात में चूर-चूर हो गई। अब सरापते हुए सड़क पर बिखरी मूँगफली बीन रही है। एक रिक्शे पर आ रही दो लड़कियाँ टकरा गईं। अब उनका दुपट्टा पतंग की तरह हवा में लहरा रहा है।

इस तरह कॉलेज का बवाल शहर की तरफ

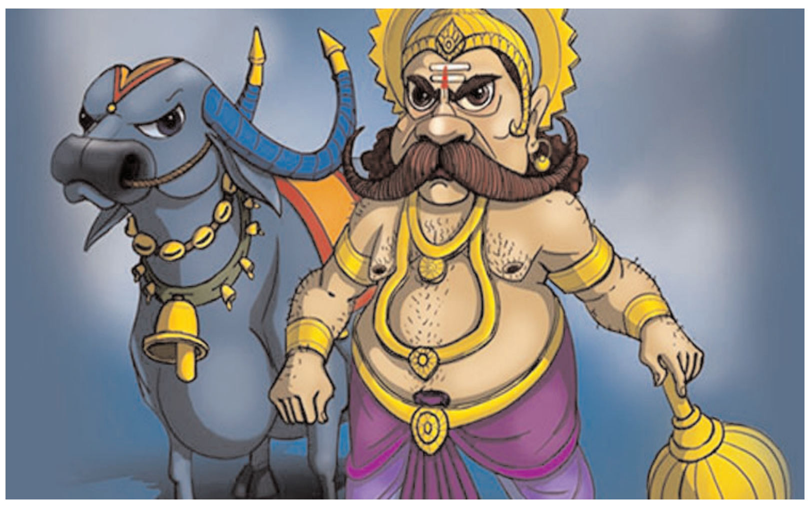

आप यकीन करें। न मैं किसी जादूगर के सामने था, न ही सपना देख रहा था। मैं खुली सड़क पर खुली आँखों से देख रहा था। डर के मारे मैं बहुत तेजी से पीछे की ओर भागा। बावजूद इसके कि सड़क पर लोग अचंभे से मेरी ओर देख रहे हैं, लेकिन मेरे पैरों में गजब की गति बढ़ती जा रही है।

गया। धर्मराज ने चैन की साँस ली। अनुशासन और व्यवस्था की गरज से बाहर निकला। मैदान में कुछ लड़के और लड़कियाँ घास के तिनके टूँग रहे थे। वहीं उसकी मुलाकात मुझसे हुई। ऑफिस में बुला ले गया और बिना मेरी तरफ देखे एक पर एक कई फाइलें पलटने लगा। अपनी तरफ मुखातिब होने की प्रतीक्षा करते हुए मैं सोच रहा था कि हमेशा भीड़ में घिरा धर्मराज मैथिलीशरण गुप्त की कविता होता है, लेकिन अकेले होते ही अज्ञेय का गद्य बन जाता है। मतलब के दर्शन से भरा, रहस्यमय और अबूझ। और तब उसने पूछा - 'कहो भाई, कैसे आए हो?' मैंने बताया - 'वैसे ही साहब, जैसे हर बार आता हूँ।' 'सो तो है, लेकिन कोई काम जो ठोस हो, बताओ।' अब वह ऐसा कह रहा था उस समय उसकी आँखें मेरी पाकिट पर टिकी हुई थीं। पाकिट अपनी असहायता और अकेलेपन की वजह से बेवजन हिल रही थी।

धर्मराज माहिर आदमी है। उसे मेरी औकात का अंदाजा लगाने में पल-भर भी देर नहीं लगी। जब मैंने काम बताया तो वह काफी गंभीर हो गया। बोला - 'सो तो है, लेकिन इस पद के लिए महाशंकर उपाध्याय आए थे। हालाँकि उनकी योग्यता थोड़ी मद्धिम जरूर है। लेकिन तुम तो जानते ही हो, मानवीय रिश्तों के प्रति मैं लाचार हो जाता हूँ। पद्मश्री प्राप्त बाप की तेरहवीं संतान हैं। इतने दिनों से दर-दर भटक रहे हैं। उनकी पहली बीवी जलकर... इतना कहते-कहते अचानक धर्मराज रुक कर छत की ओर देखने लगा और अपनी बीवी के बारे में सोचने लगा - रोज बनारसी साड़ी की फरमाइश। न मिलने पर भाग जाने की धमकी। धर्मराज सोचा करता कि अब भाग जाने में धरा भी क्या है। वह बहुत ही निरीह आँखों से बिना कुछ बोले दो मिनट तक मेरे चेहरे की ओर देखता रहा और धीरे से बोला - 'मेरी पत्नी को मिठाई बहुत अच्छी लगती है।'

मैं खुश हो गया - 'हाँ साहब, अच्छी औरतें मिठाई जरूर खाती हैं। मेज पर झुक आया लगभग निश्चेष्ट सा धर्मराज वैसे ही मेरी ओर देखता रहा। उसने फिर धीरे से पूछा - 'आप बुरी औरतों की सोहबत में रहे हैं क्या? वे क्या खाती हैं?'

मैंने बताया - 'नहीं साहब, मैं कभी नहीं रहा। मुझे नहीं मालूम वे क्या खाती हैं। लेकिन कोई बात नहीं साहब, मैं शाम को मिठाई लाऊँगा।'

धर्मराज पुनः तन गया और बोला - 'उसकी कोई जरूरत नहीं। मैं लाचार हूँ मानवीय रिश्तों के लिए। यह दुनिया है। इसके सामने मैं हूँ। लोग मेरे नाम की सार्थकता से कुछ तो संतोष करें।'

हर गरजमंद अंधा होता है। दुनिया को नहीं देखता। सो इतने के बाद भी मैंने अर्जी बढ़ा दी और उसमें मौखिक रूप से एक वाक्य और जोड़ दिया - 'साहब, मैं बड़ी उम्मीद से आया हूँ। यह शिक्षण संस्था है। आप इसकी कुर्सी पर हैं और आपका इतना सुंदर नाम है।'

धर्मराज ने कहा - 'सो तो है, लेकिन तुम इस कुर्सी की बात कर रहे हो, जो लगातार हिल रही है। प्रबंध-तंत्र एक ओर खींच रहा है तो अध्यापक संघ दूसरी ओर। छात्र तो छात्र ही हैं, चपरासी और क्लर्क तक इसी कुर्सी के पीछे हैं। लोग सोचते हैं कि मैं इस पर बैठा हूँ। लेकिन मैं जानता हूँ कि किस तरह इसके चारों पाए के नीचे मेरा सब कुछ दब चुका है। मेरी इज्जत, मेरा सम्मान, मेरा रुपया। कुर्सी मेरे ऊपर बैठी है। मैं सामने वाले को कहना चाहता हूँ - हरामी और कह जाता हूँ - माई-बाप।' अचानक वह एकदम रुआँसा हो गया और कहने लगा - 'और तो और, अब यह कुर्सी भी इतनी बे-गैरत हो चुकी है कि न पकड़ी जाती, न छोड़ी जाती। मेरी जरूरतों से परे मेरी आदत बन चुकी कुर्सी मेरी मजबूरी है। लोग चारों ओर से खींच रहे हैं। बैठता हूँ तो लगता है कि भूचाल आ गया। दिमाग चक्कर खाने लगता।'

मैंने देखा कि इतना कहते-कहते वह विद्रूप हो गया। उसके भीतर की कातरता और समूची दुनिया के लिए गहरी नफरत एक साथ चेहरे पर चिपक गई है। मुझे लगा कि उसकी आँखें किसी मुर्दे की तरह टँगी हुई हैं और उनमें से मरते हुए किसी पुराने रोगी की चीख उभर रही है - 'ओह, तुम जान पाते कि कुछ कुर्सियाँ मात्र आदमी को नपुंसक बना देती हैं। और सबसे भयानक बात तो यह है कि वह जान भी नहीं पाता और खुश रहता है।' मैंने कहा - ''खैर साहब, यह तो दूसरी बात है। और इसमें मैं क्या कर सकता हूँ। मैं बस न्याय की उम्मीद में आया हूँ।' और चला आया।

बाहर धूप थी। हवा थी। लॉन की हरी दूब पर एक गौरैया फुदक रही थी। भीतर की ऊब और घुटन से निकलकर मैंने महसूस किया कि यहाँ एक मोहक और आत्मीय एकांत है। एक लड़की एक लड़के से कह रही है - 'हाय, तुम कितने अच्छे लगते हो।' लड़का बर्फ की तरह पिघल रहा है। मुझे लगा कि फूलों के बीच से निकलकर हवा का एक झोंका पूरे वातावरण में फैल रहा है। अचानक तभी मेरे सामने धर्मराज का चेहरा घूम गया।

मैं सड़क पर चला आया। मेरा दिमाग किसी भारी चीज से दबा जा रहा था। मैंने टटोल कर देखा तो वहाँ एक सवाल हिल रहा था - आखिर धर्मराज घूस क्यों लेता है?

दुकान पर आकर मैंने चाय पी। सिगरेट सुलगाया। सिर को झटका दिया ताकि कुछ हल्का महसूस कर सकूँ। लेकिन तब तक मेरे समूचे जेहन में चीलरों की तरह छोटे-छोटे कई सवाल चिपक गए थे - आखिर इस धर्मराज का ओर-छोर कहाँ है? इसके नाम और काम में इतना भेद क्यों है? और यह धर्मराज घूस क्यों लेता है?

मैं जब नौकरी के लिए ऑफिस तक गया था तब एक अच्छा-खासा समूचा आदमी था, लेकिन लौटने तक मेरे शरीर का कोई हिस्सा टूट कर गिर चुका था। देह में भयानक जलन पैदा करती हुई खुजली हो रही थी। आँखों के सामने अँधेरा नाच रहा था। किसी भयावह और अँधेरी खड्ड में गिरा हुआ सा मैं निकलने की हर कोशिश में एक-एक कदम गिरता जा रहा था। अपनी चीख सुनने वाला मैं अकेले ही छटपटा रहा था। मैं सोच रहा था कि दफ्तर से कचहरी तक, चौराहे से गली तक फैले इस धर्मराज के कितने रूप हैं? और क्या अब यह सरस्वती के मंदिर में भी पुजारी बन बैठा? तभी मुझे लगा कि असंख्य कुँआरी लड़कियाँ, जो इस मंदिर में कुछ पाने की गरज से आई हैं, किसी बलात्कारी के पंजे में दबी हुई न चीख रही हैं, न छटपटा रही हैं। प्रकाशन केंद्रों में बैठकर पाठ्यक्रम बना रहे हत्यारों का गिरोह बनियों के बिस्तर सजा रहा है। युवा पीढ़ी बेरोजगारी पर निबंध रटकर सपनों के गुब्बारे फुला रही है। एक प्रहसन बहुत ही शांत और ठंडे तरीके से आहिस्ते-आहिस्ते चल रहा है। शेयर बाजार से लहूलुहान होकर लौटा हुआ बजट नींद की गोलियाँ बेच रहा है। तीसरे विश्वयुद्ध से आशंकित बुद्धिजीवी वर्ग सरल को जटिल और जटिल को सरल किए जा रहा है। लोग अपने-अपने काम में लगे हैं और जानते तक नहीं।

सड़क पर चलते हुए मैंने अपने एक मित्र से कहा - 'अगर हम लोग ऐसे ही रहे तो यह धर्मराज जल्दी ही अश्वमेध की तैयारी कर देगा, इसलिए कलम से कुदाल तक, लाठी से सवाल तक कुछ न कुछ जरूर उठा लेना चाहिए।'

वह देर तक मेरी आँखों में देखता रहा और बोला - 'हताशा हमारी पीढ़ी का स्थायी भाव है। मैं तुम्हारे विश्लेषण से सहमत हूँ। नतीजे से नहीं। रंडियों के मुस्कराने से शहर बे-पानी थोड़े हो जाता है। फिर भी बच्चों को उधर जाने से रोकना चाहिए। और चौकसी भी जरूरी है।'

मैं यही सब सोचता रहा और सड़क पर टहलता रहा। साँझ हो रही है। सूरज डूब रहा है। शहर की भव्यतम कालोनी में छाई खामोशी को भंग करता आइसक्रीम वाला टहल रहा है। लेकिन इससे बे-खबर बच्चे टी.वी. के सामने बैठकर युद्ध की बात कर रहे हैं। बच्चियाँ नफरत और आतंक का पाठ पढ़ रही हैं। तब अपनी दिनचर्या के मुताबिक धर्मराज अपने घर की ओर जा रहा है। मैं अक्सर सोचा करता हूँ कि इतना पैसा कमाने वाला धर्मराज बहुत खुश रहता होगा। लेकिन वह बहुत उदास है। मुझे अचरज हुआ और मैं उसके पीछे-पीछे चल पड़ा। रेलवे क्रासिंग को पार करते समय अचानक मुझे बहुत तेज बदबू महसूस हुई। मैं इधर-उधर देखने लगा तो पाया कि कहीं कुछ सड़ा नहीं है। तभी सामने मुझे तिलस्मी दुनिया का खौफनाक दृश्य दिखाई पड़ा। सड़क पर चलता-फिरता धर्मराज टीन के एक बड़े कूड़ेदान के रूप में बदल गया। उसके ऊपर उठे हुए हाथ की तरह एक तख्ती टँगी हुई थी। उस पर लिखा था - 'शहर वालों, बोलो मैं सबसे ज्यादा भूखा हूँ।' आते-जाते लोग उसी में थूक रहे हैं। मैला फेंक रहे हैं। उसमें असंख्य कीड़े बिलबिला रहे हैं। यह सारी बदबू वहीं से आ रही है।

आप यकीन करें। न मैं किसी जादूगर के सामने था, न ही सपना देख रहा था। मैं खुली सड़क पर खुली आँखों से देख रहा था। डर के मारे मैं बहुत तेजी से पीछे की ओर भागा। बावजूद इसके कि सड़क पर लोग अचंभे से मेरी ओर देख रहे हैं, लेकिन मेरे पैरों में गजब की गति बढ़ती जा रही है।

- 'हिन्दी समय' से साभार

संजय उवाच

संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

श्राद्ध पक्ष के निमित्त

पितरों के लिए श्रद्धा से किए गए मुक्ति कर्म को श्राद्ध कहते हैं। भाद्रपद शुक्ल पूर्णिमा से आश्विन कृष्ण अमावस्या तक श्राद्धपक्ष चलता है। इसका भावपक्ष अपने पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता और कर्तव्य का निर्वहन है। व्यवहार पक्ष देखें तो पितरों को खीर, पूड़ी व मिष्ठान का भोग इसे तृप्तिपर्व का रूप देता है। जगत के रंगमंच के पार्श्व में जा चुकी आत्माओं की तृप्ति के लिए स्थूल के माध्यम से सूक्ष्म को भोज देना लोकातीत एकात्मता है। ऐसी सदाशय व उत्तुंग अलौकिकता सनातन दर्शन में ही संभव है। यूँ भी सनातन परंपरा में प्रेत से प्रिय का अतिरेक अभिप्रेरित है। पूर्वजों के प्रति श्रद्धा प्रकट करने की ऐसी परंपरा वाला श्राद्धपक्ष संभवत: विश्व का एकमात्र अनुष्ठान है।

इस अनुष्ठान के निमित्त प्राय: हम संबंधित तिथि को संबंधित दिवंगत का श्राद्ध कर इति कर लेते हैं। अधिकांशत: सभी अपने घर में पूर्वजों के फोटो लगाते हैं। नियमित रूप से दीया-बाती भी करते हैं।

दैहिक रूप से अपने माता-पिता या पूर्वजों का अंश होने के नाते उनके प्रति श्रद्धावनत होना सहज है। यह भी स्वाभाविक है कि व्यक्ति अपने दिवंगत परिजन के प्रति आदर व्यक्त करते हुए उनके गुणों का स्मरण करे। प्रश्न है कि क्या हम दिवंगत के गुणों में से किसी एक या दो को आत्मसात कर पाते हैं?

बहुधा सुनने को मिलता है कि मेरी माँ परिश्रमी थी पर मैं बहुत आलसी हूँ।...क्या शेष जीवन यही कहकर बीतेगा या दिवंगत के परिश्रम को अपनाकर उन्हें चैतन्य रखने में अपनी भूमिका निभाई जाएगी?... मेरे पिता समय का पालन करते थे, वह पंक्चुअल थे।...इधर सवारी किसी को दिये समय से आधे घंटे बाद घर से निकलती है। विदेह स्वरूप में पिता की स्मृति को जीवंत रखने के लिए क्या किया? कहा गया है,

यद्यष्टाचरति श्रेष्ठस्तत्तदेवेतरो: जन:।
स यत्प्रमाणं कुरुते लोकस्तदनुवर्तते।।

अर्थात श्रेष्ठ मनुष्य जो-जो आचरण करता है, दूसरे मनुष्य वैसा ही आचरण करते हैं। वह जो कुछ प्रमाण देता है, दूसरे मनुष्य उसी का अनुसरण करते हैं। भावार्थ है कि अपने पूर्वजों के गुणों को अपनाना, उनके श्रेष्ठ आचरण का अनुसरण करना उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

विधि विधान और लोकाचार से पूर्वजों का श्राद्ध करते हुए अपने पूर्वजों के गुणों को आत्मसात करने का संकल्प भी अवश्य लें। पूर्वजों की आत्मा को इससे सच्चा आनंद प्राप्त होगा।

बोध कथा

भद्र पुरुष और तोता

बादशाह सुलेमान के कहने पर वजीर ने उसे 'भद्र पुरुष और उसके तोते की कहानी' सुनाते हुए कहा कि बहुत समय पहले की बात है सुदूर गांव में एक भद्र पुरुष रहता था जिसकी पत्नी बहुत सुंदर थी। भद्र पुरुष अपनी पत्नी से बेहद प्रेम करता था और उसे अपनी आंखों के सामने से दूर नहीं होने देता था। एक दिन भद्र पुरुष किसी काम से नगर से बाहर दूसरे शहर गया हुआ था। काम निपटाने के बाद बाजार घूमते हुए उसे एक अद्भुत तोता दिखाई दिया। तोते की यह विशेषता थी कि वह आम मनुष्य की तरह बोल सकता था। तोता अपनी आंखों के सामने घटित होने वाली हर घटना को मालिक के पूछने पर उसे सच-सच बता देता था। यह देखकर वह व्यक्ति बेहद प्रभावित हुआ और वह तोते को खरीद कर अपने साथ घर ले आया। तोते को घर पर लाने के बाद भद्र पुरुष अक्सर उससे अकेले में बात करता रहता और दिन भर की सारी घटनाएं उससे पूछता। तोता भी अपने मालिक के सवालों का जवाब देते हुए उसे दिनभर की आंखों देखी सब कुछ सच-सच बता देता। कुछ दिनों बाद उस व्यक्ति को किसी जरूरी काम से विदेश जाना पड़ा। भद्र पुरुष ने अपने जाने से पहले तोते को पत्नी को सौंप दिया और उसकी देखभाल करने के लिए कह गया। कई दिनों बाद जब भद्र पुरुष विदेश से घर लौटा तो उसने तोते से अकेले में पूछा कि उसकी गैर-मौजूदगी में घर में क्या-क्या घटित हुआ? तोते ने व्यक्ति की बात का जवाब देते हुए उसे पूरी घटना के बारे में बताया। उसने बताया कि कैसे उसकी पत्नी उसके न होने पर अपनी मनमानी करती थी और अपनी सभी मर्यादाओं को लांघ चुकी थी। तोते की बात सुन कर भद्र पुरुष गुस्से में आग बबूला हो गया और उसने अपनी पत्नी को खूब डांट फटकार लगाई। तोते की बताई हर बात सच थी इसलिए उसकी पत्नी भद्र पुरुष की डांट को चुपचाप सुनती रही।

उसी शाम जब किसी काम से भद्र पुरुष घर से बाहर गया हुआ था तो उसकी पत्नी ने घर की सभी सेविकाओं को बारी-बारी से अपने पास बुलाया और सबको खूब डांट लगाई। भद्र पुरुष की पत्नी ने सारी सेविकाओं से पूछा कि किसने उसके पति को यह बातें बताई। सभी सेविकाओं ने इस बात से इनकार कर दिया और अपनी बात को सच बताने के लिए कसमें खाने लगीं। इसके बाद भद्र पुरुष के घर आने के बाद तोते ने व्यक्ति की पत्नी द्वारा सेविकाओं से किए गए व्यवहार की पूरी बात उसे बता दी जिस पर उसने दोबारा अपनी पत्नी को खूब फटकार लगाई।

घटना के बाद अकसर भद्र पुरुष तोते से अकेले में बात किया करता था। अब तक उस व्यक्ति की पत्नी को भी विश्वास हो गया था कि तोता ही घर की होने वाली हरेक घटना उसके पति को बताता है। इसके बाद से वह तोते से चिढ़ने लगी और पति के सामने उसे झूठा साबित करने के लिए योजना बनाने लगी। कुछ समय बाद भद्र पुरुष किसी काम से एक दिन के लिए नगर से बाहर गया हुआ था। उस रात व्यक्ति की पत्नी ने मौका पाकर अपनी सेविकाओं के साथ मिलकर तोते को फसाने की योजना बनाई। महिला की आज्ञा पर अंधेरे में घर की एक सेविका रात भर उसके पिंजरे के नीचे चक्की पीसती रही जबकि दूसरी सेविका तोते पर बारिश की तरह पानी की बूंदे डालती रही। वहीं, तीसरी सेविका ने पिंजरे की पिछली तरफ दीपक जला दिया और खुद दर्पण लेकर तोते के सामने खड़ी हो गई। दर्पण पर पड़ने वाला दीपक का प्रकाश रह-रहकर तोते की आंखों पर पड़ रहा था। इससे तोते को बिजली चमकने का एहसास हो रहा था। सुबह होते ही सेविकाओं ने तोते के पिंजरे को कपड़े से ढक दिया और वहां से चली गईं।

अगले दिन जब भद्र पुरुष घर वापस आया तो उसने तोते को अकेले में ले जाकर पूरी रात का हाल पूछा। भद्र पुरुष के सवाल का तोते ने जवाब दिया कि रात भर बादल गरजते रहे, बारिश होती रही और बिजली चमकती रही। यह सुनकर भद्र पुरुष को लगा कि तोता तो झूठ बोल रहा है क्योंकि रात को आसमान साफ था और बारिश एक बूंद तक कहीं नहीं पड़ी। भद्र पुरुष ने सोचा कि तोता जरूर झूठ बोल रहा है और पक्का वह पहले भी उसकी पत्नी के बारे में झूठ बोल रहा होगा। तोते को झूठा समझ कर गुस्से में व्यक्ति ने तोते को पिंजरे से बाहर निकाला और उसे जोर से जमीन पर पटक कर मार डाला। घटना के बाद भद्र पुरुष और उसकी पत्नी दोबारा खुशी-खुशी रहने लगे और वह अपनी पत्नी के ऊपर दोबारा विश्वास करने लगा। वहीं, उसकी पत्नी भी तोते के मरने के बाद निश्चित हो गई कि अब उसके पति को उसकी करतूतों के बारे में बताने वाला कोई नहीं है और अब उसे कुछ पता नहीं चल पाएगा। हालांकि, उसकी पत्नी का यह फरेब अधिक दिनों तक नहीं चल पाया। उसके कारनामों के बारे में उसके पड़ोसी व गांव के अन्य लोग व्यक्ति को बताने लगे जो कि तोते की कही बातों से मिलती-जुलती थी।

वीर गाथा

लेफ्टिनेंट सुशील खजूरिया: साथी पर चली दुश्मन की गोली, भारत मां के सपूत ने सीने पर झेली

लेफ्टिनेंट सुशील खजूरिया का जन्म 28 अगस्त, 1985 को जम्मू-कश्मीर के सांबा में हुआ था। माता निर्मला देवी और पिता सोमदत्त खजूरिया के वीर पुत्र सुशील ने भारत मां के लिए बलिदान दिया था। उन्हें सेना में जाने की प्रेरणा अपने पिता से मिली थी, जो बतौर नायब सूबेदार सेवाएं दे चुके हैं।

सुशील को भारतीय सेना की आर्मी सर्विस कोर में शामिल किया गया था। उसके बाद वे 18 ग्रेनेडियर्स बटालियन के तहत जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद विरोधी अभियानों में भेज दिए गए थे।

27 सितंबर, 2011 को सुशील अपनी टीम का नेतृत्व कर रहे थे। उस इलाके में खड़ी ढलानें थीं। साथ ही घनी झाड़ियों वाले बीहड़ के कारण रास्ता बहुत मुश्किल था। दरअसल टीम को खुफिया सूत्रों से जानकारी मिली थी कि कुपवाड़ा जिले के कोपरा में कुछ आतंकवादी हो सकते हैं।

इसी सिलसिले में टीम एक नाले में तलाशी अभियान चला रही थी। अचानक आतंकवादियों ने भारी गोलीबारी की। सुशील ने देखा कि उनका एक साथी निशाने पर आ गया है। आतंकवादी एक बड़ी चट्टान के पीछे छिपे हुए थे, जिससे उन पर सीधे गोलीबारी नहीं की जा सकती थी।

सुशील ने सूझबूझ से काम लिया और घने पेड़ों के बीच से रेंगते हुए किनारे तक पहुंचे। उन्होंने अपनी सुरक्षा की परवाह न करते हुए बेहद करीब जाकर आतंकवादियों पर धावा बोला। इस तरह दो आतंकवादी वहीं ढेर हो गए। अभियान में एक साथी जवान घायल हो गया था। सुशील उसकी मदद करने के लिए आगे बढ़ रहे थे कि आतंकवादियों ने उन पर अंधाधुंध गोलीबारी कर दी। इससे सुशील गंभीर रूप से घायल हो गए थे। वे 28 सितंबर को भारत मां की गोद में लीन हो गए। लेफ्टिनेंट सुशील खजूरिया बहुत कम उम्र में ही वीरता, साहस और बलिदान का वह काम कर गए, जिसे भारतवासी सदैव याद रखेंगे। उन्हें कीर्ति चक्र से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

विदेश मंत्री जयशंकर ने बिम्सटेक के साथ संबंध मजबूत करने की भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

न्यूयॉर्क/भाषा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अपनी 'पड़ोस प्रथम' और 'एक्ट ईस्ट' नीतियों के अनुरूप सात देशों के समूह 'बिम्सटेक'' के साथ व्यापक भागीदारी की भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि की है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा के 79वें सत्र में भाग लेने के लिए अमेरिका की यात्रा पर जयशंकर ने शुक्रवार को उच्च स्तरीय सत्र के इतर न्यूयॉर्क में बंगाल की खाड़ी बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग पहल (बिम्सटेक) की विदेश मंत्रियों की अनौपचारिक बैठक की शुक्रवार को अध्यक्षता की। यह बैठक बिम्सटेक नेताओं के शिखर सम्मेलन की तैयारी करने के लिए की गयी।

जयशंकर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा, व्यापार, निवेश, अर्थव्यवस्था और ऊर्जा में हमारे करीबी सहयोग का जायजा लिया। पूरे क्षेत्र में भौतिक, समुद्री और डिजिटल कनेक्टिविटी में सुधार पर ध्यान केंद्रित किया गया।'' उन्होंने कहा, ''क्षमता निर्माण, कौशल विकास और परस्पर संपर्क में सुधार लाने के अवसर तलाश किए।'' विदेश मंत्री ने कहा, ''बिम्सटेक उत्कृष्टता केंद्र का विकास एक सामूहिक संकल्प है। पड़ोसी प्रथम, विजन सागर और एक्ट ईस्टी नीति की तर्ज पर बिम्सटेक के साथ व्यापक भागीदारी के लिए भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।''

'पड़ोस प्रथम' नीति के तहत भारत अपने सभी पड़ोसियों के साथ मैत्रीपूर्ण और पारस्परिक रूप से लाभप्रद संबंध विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। भारत ने क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास (सागर) के अपने दृष्टिकोण के अनुरूप क्षेत्रीय भागीदारों के साथ समुद्री सहयोग विकसित किया है। भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति पहल का उद्देश्य हिंद-प्रशांत क्षेत्र के देशों के साथ आर्थिक, सांस्कृतिक और रणनीतिक संबंधों को मजबूत करना है। बिम्सटेक के सदस्य देशों में भारत, भूटान, बांग्लादेश, म्यांमा, थाइलैंड, नेपाल और श्रीलंका है। इसके अलावा, जयशंकर ने डोमिनिका के विदेश मामलों के मंत्री विंस हेंडरसन के साथ भारत-कैरीकॉम देशों के विदेश मंत्रियों की एक बैठक की सह-अध्यक्षता की। कैरेबियाई समुदाय 'कैरीकॉम' के 15 सदस्य – एंटिगुआ और बारबुडा, बहामास, बारबाडोस, बेलीज, डोमिनिका, ग्रेनाडा, गुयाना, हैती, जमैका, मॉन्स्टरैट, सेंट किट्स और नेविस, सेंट लुसिया, सेंट लुसिया और ग्रेनाडाइन्स, सुरीनाम और त्रिनिदाद और टोबैगो। एंगुइला, बरमुडा, ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड्स, केमैन आइलैंड्स, कुराकाओ और तुर्क एंड कैकोस आइलैंड्स समुदाय के एसोसिएट सदस्य हैं। जयशंकर ने 'एक्स' ने कहा, ''भारत-कैरीकॉम विदेश मंत्रियों की आज बड़ी बैठक हुई। डोमिनिका के विदेश मंत्री हेंडरसन के साथ सह-अध्यक्षता की।'' उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''हमारी साझेदारी को उन्नत करने और स्वास्थ्य, सूचना प्रौद्योगिकी, फिनटेक, क्षमता निर्माण, नवीकरणीय और खाद्य सुरक्षा में सहयोग को गहरा करने पर चर्चा हुई।

कैरीकॉम के साथ हमारा रिश्ता पिछले अनुभवों से जुड़ा है, वर्तमान जरूरतों को पूरा करता है और एक उज्वल भविष्य की आकांक्षा रखता है।'' उन्होंने होंडुरास के अपने समकक्ष एनरिक रीना के साथ भारत-सीईएलएसी विदेश मंत्रियों की बैठक की सह-अध्यक्षता की। लातिन अमेरिकी और कैरेबियाई देशों का समुदाय (सीईएलएसी) एक अंतरसरकारी संगठन है, जिसमें लातिन अमेरिका और कैरेबियाई के 33 सदस्य देश शामिल हैं।

जयशंकर ने कहा, ''हमारा राजनीतिक सहयोग और गहराते आर्थिक संबंध दक्षिण-दक्षिण सहयोग को आगे बढ़ाते हैं। एजेंडे में डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा, स्वास्थ्य, स्वच्छ ऊर्जा और क्षमता निर्माण शामिल हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ई-मोबिलिटी, अंतरिक्ष, आधुनिक कृषि और ड्रोन में अधिक भागीदारी की संभावनाओं पर प्रकाश डाला गया।''

नेपाल में बाढ़ और भूस्खलन से 59 लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

काठमांडू/भाषा। नेपाल में लगातार बारिश के कारण आई बाढ़ और भूस्खलन से कम से कम 59 लोगों की मौत हो गई और 36 अन्य घायल हो गये। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

नेपाल के कई हिस्सों में बृहस्पतिवार से भारी बारिश हो रही है, जिसके कारण आपदा अधिकारियों ने अचानक बाढ़ की चेतावनी जारी की है।

नेपाल पुलिस के उप प्रवक्ता बिश्वो अधिकारी ने बताया कि लगातार बारिश के कारण नेपाल में हुई 59 लोगों की मौत 34 काठमांडू घाटी में हुई हैं। उन्होंने बताया कि बाढ़ में 36 लोग घायल भी हुए हैं। उन्होंने बताया कि देशभर में कुल 44 लोग लापता हैं जिनमें से 16 काठमांडू घाटी में लापता हैं। उन्होंने बताया कि एक हजार से ज्यादा लोगों को बचाया भी गया है।

अधिकारी ने कहा कि देशभर में 44 स्थानों पर मुख्य राजमार्ग अवरुद्ध हो गए हैं।

इस बीच, कार्यवाहक प्रधानमंत्री एवं शहरी विकास मंत्री प्रकाश मान सिंह ने गृह मंत्री, गृह सचिव और सुरक्षा एजेंसियों के प्रमुखों समेत विभिन्न मंत्रियों की एक आपात बैठक बुलाई है और उन्हें खोज तथा बचाव अभियान में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं।

बाढ़ के कारण मुख्य विद्युत लाइन बाधित होने के कारण काठमांडू में पूरे दिन बिजली गुल रही लेकिन शाम को बिजली आपूर्ति बहाल हो गई।

पुलिस ने बताया कि काठमांडू में 226 मकान जलमग्न हो गए हैं और प्रभावित इलाकों में नेपाल पुलिस की ओर से लगभग तीन हजार सुरक्षाकर्मियों की बचाव टीम तैनात की गई है।

संबोधन

नई दिल्ली में शनिवार को एबीवीपी के सदस्य नई दिल्ली में एबीवीपी कार्यालय में डीयूएसयू चुनाव में मतगणना रोकने के दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए।

बांग्लादेश में राजनीतिक प्रतिनिधित्व की चाहत में हिंदू कर रहे राजनीतिक दल बनाने पर विमर्श

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ढाका/भाषा। बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के नेता एक समर्पित राजनीतिक दल के गठन पर विचार-विमर्श कर रहे हैं, जो अस्थिरता और भय के माहौल में उनकी सुरक्षा तथा उनके अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करने के लिए राजनीतिक प्रतिनिधित्व की सख्त जरूरत को दर्शाता है। 'बांग्लादेश हिंदू बुद्धिस्ट क्रिश्चियन यूनिटी काउंसिल (बीएचबीसीओपी)' और अन्य संगठनों के हिंदू नेता अब पृथक राजनीतिक दल के गठन या आरक्षित संसदीय सीट की मांग की संभावना पर चर्चा करने में लगे हैं। बीएचबीसीओपी के प्रेसिडियम सदस्य काजल देबनाथ ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''फिलहाल तीन विकल्पों पर विस्तार से चर्चा की जा रही है। पहला, 1954 से पृथक निर्वाचन प्रणाली पर लौटना; दूसरा, हिंदुओं के लिए एक अलग राजनीतिक पार्टी का गठन ; और तीसरा, अल्पसंख्यकों के लिए संसद में सीट आरक्षित करना।''

आवामी लीग की नेता शेख हसीना के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफे के बाद हिंदू समुदाय के विरुद्ध हुई हिंसा के पश्चात इन बातों पर चर्चा होने लगी है। हसीना ने छात्र आंदोलन के बाद पांच अगस्त को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था।

देबनाथ ने बताया कि बीएचबीसीओपी द्वारा जुटाए गए आंकड़ों के हिसाब से हिंदू समुदाय पर हमले की 2010 घटनाएं हुईं जिनमें हत्या, मारपीट, यौन हमला, मंदिरों पर हमला और संपत्ति नष्ट किया जाना शामिल है।

वैसे, इन हमलों की संख्या पर बांग्लादेश सरकार की ओर से कोई आधिकारिक आंकड़ा जारी नहीं किया गया है।

हिंदू समुदाय के नेता राजन कर्माकर ने कहा, ''एक राजनीतिक दल बनाने के बारे में चर्चा एवं विचारों का आदान-प्रदान हमारी शीर्ष प्राथमिकता है। हालांकि अभी कुछ भी तय नहीं हुआ है, देखते हैं आगे क्या होता है।'' उन्होंने कहा, ''प्रस्तावित राजनीतक दल बदलाव का एक महत्वपूर्ण जरिया हो सकता है और सुनिश्चित करेगा कि उनकी चिंताओं को सुना जाए तथा उनका समाधान हो।''

ऐतिहासिक रूप से, 1971 में मुक्ति संग्राम के दौरान बांग्लादेश में हिंदू कुल जनसंख्या का करीब 22 प्रतिशत थे लेकिन आज वेकरीब आठ प्रतिशत रह गए हैं।

हिंदुओं ने हिंदू जनसंख्या में इस गिरावट के लिए सामाजिक-राजनीतिक रूप से हाशिए पर धकेले जाने एवं हिंसा को जिम्मेदार ठहराया है। फलस्वरूप राजनीतिक रूप से लामबंद होने की सख्त जरूरत महसूस की जा रही है।

हालांकि, देबनाथ ने कहा कि हिंदुओं के लिए पार्टी बनाने से अल्पसंख्यकों को संभवत: फायदा नहीं होगा क्योंकि इससे धर्मनिरपेक्ष वोट बिखर सकते हैं और मकसद में कामयाबी नहीं मिल पाएगी। उन्होंने कहा, ''हिंदू आबादी बांग्लादेश में फैली हुई है। कुछ इलाकों में इसके 35 प्रतिशत मतदाता हैं, जबकि ज्यादातर जगहों पर 6-8 प्रतिशत मतदाता हैं। पिछले चुनाव में आवामी लीग के जो हिंदू नेता जीते थे, उन्हें हिंदू वोट के साथ-साथ दूसरे समुदायों के अवामी समर्थकों के वोट भी मिले थे।''

देबनाथ ने कहा, ''लेकिन अगर वही व्यक्ति हिंदू पार्टी के उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ता है, तो वह दूसरे समुदायों से वोट हासिल नहीं कर पाएगा। इसलिए संसद में प्रतिनिधि भेजने का लक्ष्य पूरा नहीं हो पाएगा।''

फिल्म 'आयुष्मति गीता मैट्रिक पास' का ट्रेलर रिलीज

पुणे/एजेन्सी

लड़कियों की शिक्षा और महिला सशक्तिकरण पर आधारित फिल्म आयुष्मति गीता मैट्रिक पास का ट्रेलर डीवाई पाटिल कॉलेज में भव्य रूप से लॉन्च किया गया। इस अवसर पर गेस्ट ऑफ ऑनर सुपर 30 के फाउंडर पद्मश्री आनंद कुमार भी मौजूद थे।

इस विशेष कार्यक्रम में निर्देशक प्रदीप खेरवार, मुख्य अभिनेत्री कशिका कपूर, अनुज सैनी और अतुल श्रीवास्तव , निर्माता शानू सिंह राजपूत भी उपस्थित रहे।ट्रेलर की शुरुवात एक बेहद भावुक सवाद से होती हैं दुनिया सिर्फ़ दो हिस्सो में बटी हैं। एक औरत और एक मर्द। ग्रामीण भारत मेंपली बढ़ी एक लड़की गीता फ़िल्म का केंद्रीय किरदार हैं गीता को एक लड़के से प्रेम हो जाता है, लेकिन हर लव स्टोरी की तरह इस शादी में भी आती है बाधा। लड़की के पिता अपनी बेटी की शादी तब करने को कहते हैं जब तक कि वह मैट्रिक पास न कर ले। उस के पिता ने गांव में न केवल अपनी बेटी को स्कूल भेजने की पहल की, बल्कि उसने यह भी सुनिश्चित किया कि शिक्षा उसकी बेटी के जीवन का जरूरी हिस्सा हो। इसी क्रम में आगे कई मोड़ आते हैं और तेजी से बदलते घटनाक्रम दर्शकों की रुचि को कायम रखते हैं।

निर्देशक प्रदीप खेरवार ने कहा कि गीता इस देश की आधी आबादी की वह आवाज हैं जिस पर हमेशा सवाल उठाए जाते हैं यह सवाल उसकी शादी से लेकर उसकी पढ़ाई तक उठते हैं ग्रामीण परिवेश की इस कहानी को बहुत ही मनोरंजक और ड्रामा के साथ दर्शक देखेंगे। फ़िल्म की कहानी आज के युवा और समाज की सोच को गहरे से महसूस करती है । फ़िल्म के युवा किरदार गीता और कुंदन इस कहानी को पर्दे पर शानदार तरीके से प्रस्तुत करते हैं।

नवोदित अभिनेत्री कशिका कपूर ने इस फ़िल्म में गीता की शीर्षक भूमिका निभाई है। अनुज सैनी एक आदर्श पुरुष कुंदन के रोल में हैं। गुड आईडिया फिल्म्स और स्पंक प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी इस फ़िल्म के निर्माता प्रदीप खैरवार, शानू सिंह राजपूत, सह निर्माता जेके एंटरटेनमेंट व पेंटेक इंटरनेशनल हैं। इस फ़िल्म की शूटिंग उत्तरप्रदेश के वाराणसी और चंदौली में हुई है। यह फिल्म 18 अक्टूबर 2024 को फ़िल्म सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

फिल्म 'वेट्टैयन द हंटर' का हिंदी टीजर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

दक्षिण भारतीय फिल्मों के महानायक रजनीकांत की आने वाली फिल्म 'वेट्टैयन द हंटर' का हिंदी टीजर रिलीज हो गया है। टीजे ज्ञानवेल के निर्देशन में बनी फिल्म 'वेट्टैयन' में रजनीकांत की मुख्य भूमिका है।इस फिल्म में अमिताभ बच्चन की भी अहम भूमिका है। अमिताभ और रजनीकांत ने अंधा कानून, गिरफ्तार और हम जैसी सुपरहिट फिल्मों में काम किया है। यह जोड़ी 33 साल के बाद साथ नजर आयेगी।'वेट्टैयन द हंटर' का हिंदी टीजर रिलीज हो गया है। टीजर में अमिताभ बच्चन और रजनीकांत टॉप लेवल के एक अधिकारी की भूमिका में नजर आ रहे हैं।

रजनीकांत जहां एनकाउंटर स्पेशलिस्ट हैं। वहीं अमिताभ भी अहम भूमिका में नजर आ रहे हैं। लाइका प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी फिल्म वेट्टैयन में रजनीकांत और अमिताभ बच्चन के अलावा राणा दग्गुबाती फहद फाजिल, मंजू वारियर, दुशारा विजयन, रितिका सिंह, जीएम सुंदर, रोहिणी, राव रमेश, रमेश थिलक, रक्षण और अन्य सितारे शामिल हैं। इस फिल्म में संगीत अनिरुद्ध रविचंदर का है। 'वेट्टैयन' 10 अक्तूबर 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी ।

शमिता शेट्टी ने टूटी दीवारों के बीच खोजा अपना जुनून

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री शमिता शेट्टी इंटीरियर डिजाइन के प्रति अपने जुनून को अपना रही हैं। उन्होंने अपने फैंस के साथ अपनी रचनात्मक दुनिया की झलक शेयर की है। हाल ही में उन्होंने बताया कि वह वर्तमान में एक रोमांचक इंटीरियर प्रोजेक्ट पर काम कर रही हैं, जिसमें सिल्वर स्क्रीन से परे उनकी कलात्मक प्रतिभा को दिखाया जाएगा। इंस्टाग्राम पर 4.8 मिलियन फॉलोअर्स वाली शमिता ने गुलाबी स्लीवलेस टॉप और ग्रे लेगिंग में खुद की एक कैंडिड तस्वीर शेयर की है, जिसमें उनके बाल बन में बंधे हैं और उन्होंने फेस मास्क पहना हुआ है। फोटो में वह टूटी दीवार वाले कमरे में काम करती नजर आ रही है। शमिता अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी की छोटी बहन हैं। उन्होंने 2000 में रोमांटिक ड्रामा 'मोहब्बतें' से अपने अभिनय की शुरुआत की। आदित्य चोपड़ा द्वारा लिखित और निर्देशित और यश चोपड़ा द्वारा अपने बैनर यश राज फिल्म्स के तहत निर्मित इस फिल्म में अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान और ऐश्वर्या राय के अलावा उदय चोपड़ा, जुगल हंसराज, किम शर्मा, जिमी शेरगिल और प्रीति झंगियानी जैसे नए चेहरे भी थे। वह 2002 की रोमांटिक कॉमेडी 'मेरे यार की शादी है' के गाने 'शरारा शरारा' में अपने डॉस का जलवा दिखा चुकी हैं। इस फिल्म का निर्देशन संजय गढ़वी ने किया था आर इसका निर्माण यश चोपड़ा और आदित्य चोपड़ा ने यश राज फिल्म्स के बैनर तले किया था। इस फिल्म में उदय चोपड़ा, जिमी शेरगिल, ट्यूलिप जोशी और बिपाशा बसु ने अभिनय किया था। शमिता रोमांटिक ड्रामा 'साथिया' के गाने 'चोरी पे चोरी' में भी दिखाई दी थीं, जिसका निर्देशन शाद अली ने किया था और

इसे मणिरत्नम और यश चोपड़ा ने बनाया था। इस फिल्म में रानी मुखर्जी और विवेक ओबेरॉय मुख्य भूमिकाओं में थे। इसके बाद वह 'अग्निपंख', 'वजह: ए रीजन टू किल', 'फरेब', 'जहर', 'बेवफा', 'कैश' जैसी फिल्मों में नजर आईं। शमिता ने विवादित रियलिटी शो 'बिग बॉस ओटीटी 1' और 'बिग बॉस 15' में भी हिस्सा लिया था। 45 वर्षीय शमिता को पिछली बार सुश्रुत जैन द्वारा निर्देशित ड्रामा फिल्म 'द टेनेंट' में देखा गया था। इसमें रुद्राक्ष जायसवाल भी थे।

'औरों में कहां दम था' ओटीटी प्लेटफॉर्म पर हुई रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

एक्टर अजय देवगन और एक्ट्रेस तब्बू की जोड़ी रुपहले पर्दे पर खूब पसंद की जाती है। दोनों कई फिल्मों में रंग जमा चुके हैं। इसी कड़ी में उनकी फिल्म 'औरों में कहां दम था' 2 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इसमें उनकी लव स्टोरी थी। हालांकि यह फिल्म लोगों को कुछ खास पसंद नहीं आई। अब रिलीज के करीब 2 महीने बाद इसकी ओटीटी रिलीज हो गई है। डायरेक्टर नीरज पांडे की इस फिल्म का अमेजन प्राइम वीडियो पर आज शुक्रवार (27 सितंबर) से मजा लिया जा सकता है। प्राइम वीडियो ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर फिल्म का पोस्टर शेयर कर लिखा, दो दिल जो समय के कारण बिछड़ गए, लेकिन प्यार के कारण फिर एक हो गए। अभी देखें।

इसके साथ ही उन्होंने फिल्म की पूरी स्टारकास्ट को भी टैग किया है। मीडिया रिपोटर्स के मुताबिक मूवी के राइट्स अमेजन ने करोड़ों रुपए में खरीदे हैं। यह फिल्म कई दिनों से स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर रेंट पर उपलब्ध थी। अब लोग इसे फ्री में देख सकते हैं। फिल्म की कहानी दो लोगों की लव स्टोरी पर बेस्ड है, जो 22 साल से एक-दूसरे से अलग रह रहे हैं। फिल्म में अजय और तब्बू ने 'कृष्ण' और 'वसुधा' की भूमिका निभाई है। इसमें शांतनु माहेश्वरी और सई मांजरेकर ने उनकी युवावस्था के रोल किए हैं। जिमी शेरगिल की भी अहम भूमिका है।

आवाज के जादू से संगीत प्रेमियों के दिलों पर राज किया लता मंगेश्कर ने

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड में लता मंगेश्कर को ऐसी पार्श्वगायिका के तौर पर याद किया जाता है,जिन्होंने अपनी आवाज के जादू से संगीत प्रेमियों के दिलों पर करीब सात दशक तक राज किया। मध्य प्रदेश के इंदौर में 28 सिंतबर 1929 को जन्मीं लता मंगेशकर (मूल नाम हेमा हरिदकर) के पिता दीनानाथ मंगेशकर मराठी रंगमंच से जुड़े हुये थे। पांच वर्ष की उम्र में लता ने अपने पिता के साथ नाटकों में अभिनय करना शुरू कर दिया। इसके साथ ही लता संगीत की शिक्षा अपने पिता से लेने लगी। उन्होंने वर्ष 1942 में फिल्म किटी हसाल के लिये अपना पहला गाना गाया लेकिन उनके पिता को लता का फिल्मों के लिये गाना पसंद नहीं आया और उन्होंने उस फिल्म से लता के गाये गीत को हटवा दिया।

वर्ष 1942 में 13 वर्ष की छोटी उम्र में

जन्मदिवस पर विशेष

ही लता के सिर से पिता का साया उठ गया और परिवार की जिम्मेदारी उनके उपर आ गयी। इसके बाद उनका पूरा परिवार पुणे से मुंबई आ गया। लता को फिल्मों में अभिनय करना जरा भी पसंद नहीं था बावजूद इसके परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी को उठाते हुये उन्होंने फिल्मो में अभिनय करना शुरू कर दिया। वर्ष 1942 मे लता को 'पहली मंगलगौर' में अभिनय करने का मौका मिला। वर्ष 1945 में लता की मुलाकात संगीतकार गुलाम हैदर से हुयी। गुलाम हैदर लता के गाने के अंदाज से काफी प्रभावित हुये। गुलाम हैदर ने फिल्म निमार्ता एस .मुखर्जी से यह गुजारिश की कि वह लता को अपनी फिल्म शहीद में गाने का मौका दे। एस.मुखर्जी को लता की आवाज पसंद नही आई और उन्होंने लता को अपनी फिल्म में लेने से मना कर दिया । इस बात को लेकर गुलाम हैदर काफी गुस्सा हुये और उन्होंने कहा यह लड़की आगे इतना अधिक नाम करेगी कि बड़े-बड़े निमार्ता-निर्देशक उसे अपनी फिल्मों में गाने के लिये गुजारिश करेगें।

वर्ष 1949 में फिल्म महल के गाने आयेगा आने वाला गाने के बाद लता बालीवुड में अपनी पहचान बनाने में सफल हो गयी। इसके बाद राजकपूर की बरसात के गाने जिया बेकरार है, हवा मे उड़ता जाये जैसे गीत गाने के बाद लता बालीवुड में एक सफल पार्श्वगायिका के रूप में स्थापित हो गयी। सी.रामचंद्र के संगीत निर्देशन में लता ने प्रदीप के लिखे गीत पर एक कार्यक्रम के दौरान एक गैर फिल्मी गीत ए मेरे वतन के लोगों गाया। इस गीत को सुनकर तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू इतने प्रभावित हुये कि उनकी आंखो मे आंसू आ गये। लता के गाये इस गीत से आज भी लोगो की आंखे नम हो उठती है ।

लता की आवाज से नौशाद का संगीत सज उठता था । संगीतकार नौशाद लता के आवाज के इस कदर दीवाने थे कि उन्होने अपनी हर फिल्म में लता को ही लिया करते थे ।वर्ष 1960 मे प्रदर्शित फिल्म मुगले आजम के गीत मोहे पनघट पे गीत की रिकार्डिंग के दौरान नौशाद ने लता से कहा था मैंने यह गीत केवल तुम्हारे लिये ही बनाया है, इस गीत को कोई और नहीं गा सकता है।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जो व्यक्ति प्राकृतिक जीवन जीता है, वह अपने आप में ऐश्वर्य पूर्ण जीवन जीता है। यह प्रकृति मानवीय मन को समृद्ध बनाने वाली है। उसी प्रकृति के रूप में कोई भाषा है तो वह प्राकृत भाषा है। प्रकृति सबको स्वीकार करती है। प्राकृतिक सौन्दर्य का आनंद ही कुछ और है, वह अनुभव होता है। वह दिल में प्रसन्नता भर देता है। प्राकृत भाषा में अलग ही चमक रही हुई है। हमारे आगम उसी प्राकृत भाषा में लिखे गए। प्राकृत भाषा बोलने, सुनने में बहुत मधुर है। परमात्मा के समय में वही बोली मातृभाषा के रूप में बोली जाती थी। हमारा कर्तव्य बनता है कि प्राकृत भाषा के प्रति प्रेम होना ही चाहिए।

साधना का मुख्य उद्देश्य है व्यक्ति अपने स्वभाव, प्रकृति से जुड़े : युवाचार्य महेंद्रऋषि

एएमकेएम में पुच्छिस्सुणं संपुट की अठारहवीं गाथा का हुआ स्वाध्याय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर में चातुर्मासार्थ विराजित श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्रऋषिजी के सान्निध्य में पुच्छिस्सुणं संपुट की अठारहवीं गाथा का स्वाध्याय हुआ। युवाचार्यश्री ने इस गाथा की महत्ता बताते हुए कहा कि प्रकृति में रहे हुए जीवनकारी तत्वों के साथ परमात्मा के गुणों का वर्णन किया है। जैन दर्शन प्रकृति के बहुत निकट है। वृक्ष और नन्दनवन की उपमा प्रभु के गुणों को दी गई। आज आधुनिक सुख-सुविधाओं, साधनों को देखकर व्यक्ति धर्म साधना से विमुख हो रहा है। सामायिक, साधना, नवकार मंत्र जप, लोगस्स पाठ की साधना से जो धर्म साधना की जाती है, उसका मुख्य उद्देश्य व्यक्ति अपने स्वभाव, प्रकृति से जुड़े।

उन्होंने कहा आज कृत्रिमता में रुचि ज्यादा बढ़ गई है। एक समय था जब जब राजा के पास जाते थे तो प्राकृतिक वस्तु भेंट स्वरूप ले जाते थे। प्रकृति से ही किसी का सम्मान होता था। आज भेंट देनी होती है तो प्रकृति को भी कृत्रिमता से सजाकर दिया जाता है। घर खरीदने में जितना खर्च होता है, उससे ज्यादा आंतरिक साज-सज्जा में खर्च करते हैं। आज हर जगह कृत्रिमता का बोलबाला है। प्रकृति के साथ खिलवाड़ होता है। उधर प्रकृति का प्रकोप भी बढ़ा है। हम धर्म में जीते हैं तो पता चलेगा हम प्रकृति के कितने करीब जीते हैं।

उन्होंने कहा तालाब, वृक्ष, संत पुरुष और बादल चारों का अस्तित्व, आकार परोपकार के लिए है। उनके समीप आने वाला अपने आप जीवन में आवश्यक तत्वों को प्राप्त कर लेता है। तालाब शरीर की 6% प्रतिशत आवश्यकता पानी द्वारा पूरा करता है। वृक्ष ऑक्सीजन देता है। बादल, तालाब, वृक्ष आदि सामर्थ्य भरने वाले है। जमीन को उपजाऊ बनाने वाले है। बादल स्वयं के लिए कुछ नहीं करता है। संत पुरुष वृक्ष की तरह है। वृक्ष कार्बन को ग्रहण कर ऑक्सीजन देता है। अगर तेज धूप है और बहुत सारे लोग रास्ते से गुजरते हैं, जहां आसपास में कोई छांव नहीं है। यदि वहां एक वृक्ष हो तो कितने संताप को दूर करता है।

उन्होंने कहा नकारात्मकता हमारे विकास को रोक देती है। वह हमारे चिंतन, विचारधारा में बाधा उत्पन्न करती है। आज अपेक्षाएं बहुत बढ़ गई है। सब कुछ होते हुए भी व्यक्ति अपेक्षाओं के कारण निराशा, नकारात्मकता में जीवन जीता है। ऐसी निराशा, नकारात्मकता से बाहर आने के लिए परमात्मा का भेद ज्ञान, शील रुप, स्वभाव का रुप का चिंतन करो, सारी नकारात्मकताएं, निराशाएं दूर हो जाएगी। प्रकृति के पास जाओ तो शुद्ध, निर्मल ऊर्जा मिलेगी। इसलिए परमात्मा को वृक्ष की उपमा दी। परमात्मा से जुड़ने से मोह के कार्बन को दूर करने का आलंबन मिल जाता है। हमारे जीवन का चार्जिंग पाइंट आज नदारद है। वह चार्जिंग पाइंट शुद्ध ऊर्जा से भर देता है।

उन्होंने कहा वनों में श्रेष्ठ नंदन वन अनेक वृक्षों से भरा है। वैसे ही परमात्मा का जीवन अनेक गुणों से भरा हुआ है। जंगलों में जड़ी बूटियों में अप्रतीम औषधि होती है, वैसा ही परमात्मा का जीवन है। परमात्मा से रिलेट करके देख लेना, समाधान मिल जाएगा। जैसे नंदन वन अलग-अलग फूलों, खुशबू से भरा हुआ है, ऐसे परमात्मा का स्वरूप अठारहवीं गाथा से हमने समझा। मन की अशांति को दूर करने वाली यह स्तुति है।

इस दौरान चंदननगर पूना, अमरावती, बडनेरा, बेंगलूरु, हैदराबाद, चालीसगांव आदि क्षेत्रों से गुरुभक्तगण युवाचार्यश्री के दर्शनार्थ व वंदनार्थ उपस्थित हुए। राकेश विनायकिया ने सभा का संचालन किया।

आशीर्वाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

वेल्लूर के श्रीपुरम स्थित श्री नारायणी पीठ में तमिलनाडु सरकार के जल संसाधन मंत्री दुरई मुरुगन ने शुक्रवार को स्वर्ण मंदिर के श्री लक्ष्मी नारायणी के दर्शन किए तथा शक्ति अम्मा से आशीर्वाद प्राप्त किया।

चन्द्रप्रभु कॉलेज में 'क्षमा दिवस' पर आयोजित हुई अंतरकॉलेजीय भाषण प्रतियोगिता

विजेताओं का किया गया सम्मान व दिए पुरस्कार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के चंद्रप्रभु जैन कॉलेज ने भगवान महावीर सभागार में एक अंतरमहाविद्यालय भाषण प्रतियोगिता के साथ 'क्षमा दिवस' मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत मंगलाचरण और पारंपरिक दीप प्रज्वलन से हुई। मुख्य अतिथि के रूप में इंटरनेशनल सेंटर फॉर प्राकृत स्टडीज एंड रिसर्च के पूर्व निदेशक डॉ. दिलीप धींग, उपाध्यक्ष शांतिलाल एस. जैन, पूर्व अध्यक्ष कांतिलाल एच.संघवी, एससीपीजेसी के अध्यक्ष नेमीचंद कटारिया, सचिव ललितकुमार ओ जैन, हितेंद्र मुणोत, विमल सकलेचा, एससीपीजेसी की प्रभारी प्राचार्य डॉ. एन. सुजाता ने सभा का स्वागत किया। उद्घाटन भाषण में नेमीचंद कटारिया ने कहा कि हर किसी को भगवान महावीर के अच्छे सिद्धांत को अपनाना चाहिए और अपने जीवन में अच्छी नैतिकता और मूल्यों को बनाए रखना चाहिए। ललित कुमार जैन ने किसी को ठेस नहीं पहुंचाने और सभी को माफ करने की सलाह दी।

इंटरकॉलेजिएट एलोक्यूशन प्रतियोगिता तीन भाषाओं तमिल, हिंदी और अंग्रेजी में आयोजित की गई थी। तमिलनाडु और उसके आसपास के विभिन्न जैन कॉलेजों के छात्रों न 'जैन धर्म में शांति और सामाजिक सद्भाव के लिए क्षमा का अभ्यास' विषय पर भाषण प्रतियोगिता में भाग लिया। मुख्य अतिथि डॉ.दिलीप धींग ने गर्व से कहा कि तमिलनाडु में हमारे पास चंद्रप्रभु स्वामी के नाम पर एकमात्र कॉलेज है जो जैन धर्म के आठवें तीर्थंकर हैं। उन्होंने यह भी कहा कि तमिलनाडु के लोग जैन धर्म का सम्मान करते हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों की सराहना की। कांतिलाल संघवी ने मुख्य अतिथि के भाषण की सराहना की और प्रतिभागियोंकी सराहना की। पुरस्कार विजेताओं को नकद पुरस्कार और प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया।

स्टेम सेल देकर जीवन देने वाली महिला से एनीमिया रोगी ने की मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के डीकेएमएस बीएमएसटी फाऊंडेशन इंडिया द्वारा फिंकोनो एनीमिया से पीड़ित तिरुचिरापल्ली निवासी ग्यारह साल के सेल्वा को स्टेम सेल दान करने वाली बेंगलूरु की क्लिनिकल फार्मासिस्ट डॉ. स्मिता जोशी ने मुलाकात कर उसके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। सातवीं कक्षा में पढ़ने वाला सेल्वा डॉक्टर स्मिता जोशी द्वारा दान किए गए स्टेम सेल की बदौलत अब अपने जीवन जी रहा है। इस अवसर पर सेल्वा के माता-पिता ने डॉक्टर स्मिता जोशी का सम्मान कर उनके प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट की। इस अवसर पर मद्रास मेडिकल कॉलेज के अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण विभाग के प्रभारी डॉक्टर अरुणा राजेंद्रन तथा डीकेएमएसटी फाउंडेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पैट्रिक पॉल सहित अनेक विशेषज्ञ डॉक्टर उपस्थित रहे।

मेरिडियन हॉस्पिटल ने विश्व हृदय दिवस मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर में स्वास्थ्य सेवा के प्रति व्यापक दृष्टिकोण के लिए प्रसिद्ध मेरिडियन हॉस्पिटल ने अपने आपातकालीन सेवाओं के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए विश्व हृदय दिवस मनाया अस्पताल को हाल ही में तमिलनाडु राज्य सरकार द्वारा लॉन्च की गई इनुवीर कप्पोम नमई कप्पोम 48 योजना के अंतर्गत अस्पतालों के पैनल के अंतर्गत पंजीकृत किया गया है। यह योजना राज्य के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन द्वारा शुरु की गई है जिसका उद्देश्य सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को समय पूर्व इलाज की सुविधा देकर जीवन बचाना है। मेरिडियन हॉस्पिटल को भी इस योजना के अंतर्गत अस्पतालों के पैनल में शामिल किया गया है। इस अवसर पर आयोजित पत्रकार वार्ता में मेरिडियन हॉस्पिटल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रोफेसर डॉ अशोक त्यागराजन ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई इस योजना में शामिल होना उनके अस्पताल के लिए गर्व की बात है जिसका उद्देश्य तत्काल जीवन रक्षक सहायता प्रदान करना है । अस्पताल के प्रबंध निदेशक डॉक्टर डेनियल निक्सन ने भी इस योजना के अंतर्गत शामिल होने पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाना बहुत बड़ी मदद साबित होती है।

प्रभु की स्तुति, प्रार्थना के लिए मन में श्रद्धा होना अति आवश्यक : संतश्री वीरेन्द्रमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मंजूनाथनगर शिवनगर सकल जैन संघ के तत्वावधान में संतश्री वीरेन्द्रमुनि जी ने भक्तामर स्त्रोत्र की 7वीं गाथा का भावार्थ का वर्णन करते हुए कहा कि भक्तामर के रचयिता आचार्य मानतुंगसूरीश्वरजी प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ भगवान की स्तुति करते हुए कहते है कि जिस प्रकार गुणों से सागर प्रभु जैसे सूर्य की पहली किरण समग्र विश्व पर पड़ते ही रात्रि का घनघोर अंधेरा मिट जाता है और चारों तरफ उजाला हो जाता है उसी प्रकार प्रभु आपकी भक्ति आपकी स्तुति करने से एक अलौकिक प्रभाव अथार्थ चमत्कार होता है जिसमें विश्व के करोड़ों जीवों के पाप कर्म नष्ट हो जाते है। संतश्री ने कहा कि लेकिन प्रभु की स्तुति अथवा प्रार्थना करने के लिए मन में श्रद्धा होनी चाहिए और मन-वचन-काया की एकाग्रता के साथ परमात्मा को याद करना चाहिए एवं अल्प समय के लिए भी शुद्धि से परमात्म भक्ति से शुभ कर्म संचित कर सकते है। शुक्रवार को धर्मसभा में शांतिनाथ जैन मण्डल, सैदापेट चेन्नई से पदाधिकारी संतश्री के दर्शन के लिए संघ में पधारे। सकल जैन संघ के अध्यक्ष संघवी उत्तमचंद आच्छा ने सभी का स्वागत किया। संघ के मंत्री राकेश दलाल ने मेहमानों को चातुर्मास की गतिविधियों से अवगत कराया। प्रकाशचन्द बोथरा ने अपने विचार रखे एवं वर्ष 2025 के चातुर्मास का निवेदन किया। इस मौके पर संघ के विनोद मेडतवाल, सुरेश बाघमार, राजेश कोठारी उपस्थित थे। संचालन युवा अध्यक्ष अंकित आच्छा ने किया ।

मुक्ति के मार्ग में तप, त्याग व व्रत जरुरी : साध्वी आगमश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के हीराबाग जैन स्थानक में विराजित साध्वी आगमश्रीजी ने अपने प्रवचन में कहा कि आत्मकल्याण के लिए आगम के माध्यम से मोक्ष मार्ग की प्ररुप की उसके दो मार्ग बताए गए है। एक संसार का मार्ग व दूसरा मुक्ति का मार्ग। दोनों की दिशाएं अलग-अलग है संसार में राग है, विराग है, भोग है और मोक्ष मार्ग में त्याग है। मोक्ष मार्ग में तप, त्याग, व्रत व नियम है। दोनों का रास्ता अलग-अलग है। संसार मार्ग से मुक्ति की राह पर आना बहुत मुश्किल है। राग के कारण जिंदगी के अमूल्य समय का भोग दे देता है। मोक्ष प्राप्ति के लिए जिनवाणी का सान्निध्य अति जरुरी है।

भगवान ने भी अपने जीवन में तीन संकल्प लिए थे इच्छा में चलना नहीं, कषाय में जाना नहीं और प्रमाद में पडना नहीं। अगर इच्छा खड़ी हो जाए तो उस पर कंट्रोल करना। जरा भी कषाय आ जाए तो उसको निकाल देना और प्रमाद आ जाए तो जीवन में जागृति लान। साध्वी धैर्योश्रीजी ने भी उपस्थित जनों से भगवान के संकल्पों का अनुसरण करने की बात कही। संचालन अशोक बांठिया ने किया।

ट्रेंडसेटर रेफरल ग्रुप वी-प्रेनेयर की बैठक सम्पन्न

बेंगलूरू/दक्षिण भारत । जीतो ट्रेंडसेटर ऑल वुमेन रेफरल ग्रुप वी-प्रेनेयर की बैठक जीतो कार्यालय में हुई। लीड लताशा भंडारी द्वारा ए-आई व सोशल मीडिया के बारे में प्रेजेंटेशन दिया। उन्होंने टेक्नोलॉजी से व्यवसाय को बढ़ाने के तरीके बताए। मंत्री ज्योति कोचेटा के पावर टीम की गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए सदस्यों को प्रोत्साहित किया। अनेक सदस्यों ने 30 सेकंड की प्रस्तुति दी। रेफरल हेड नीलम सांड, रेफरल लीड लताशा भंडारी और रेफरल मंत्री ज्योति कोचेटा ने संचालन किया। इस मौके पर जीतो लेडीज़ विंग की चेयरपर्सन सुनीता गांधी की विशेष उपस्थिति रही। प्रेनेयर टीम को जीतो लेडीज विंग की ओर से ट्रॉफी से सम्मानित किया गया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.